





शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप स्वास्थ्य से परेशान हैं ?

- * सर्दी खासी सिनेमाईटिस
- * ऑलर्जिक राईनइटिस
- * क्रॉनिक ब्रॉन्काइटिस
- * डिसिनोइडलाया
- * ब्रॉन्कायल बॉनकाईटिस
- * कोएगुलमनेल (काईडल)

Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोज/ पुरुष के शुक्राणू दोष/ निस्तान/ किडनी स्टोन/ डाइबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपुर का भव्य शोल्स महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपुर.

फोन **9112079000 / 8605245080**

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जड़ीबुटीयों का विशाल भंडार

आपातकाल थोपने वाले हार गए

> इमरजेंसी का ज़िक्र कर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली.

मन की बात के 123वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, “लंबे समय के बाद कैलाश-मानसरोवर तीर्थयात्रा शुरू हो गई है. अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी. इन तीर्थयात्राओं पर जाने वाले लोगों को मेरी शुभकामनाएं.” इमरजेंसी की बात करते हुए उन्होंने कहा कि कल्पना कीजिए वो कैसा दौर होगा. जनता के आगे आपातकाल थोपने वाले हार गए. आपातकाल में संविधान की हत्या हुई.

पीएम मोदी ने कहा कि आपातकाल लगाने वालों ने न केवल हमारे संविधान की हत्या की, बल्कि न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाए रखने की मंशा थी. इस दौरान बड़े पैमाने पर लोगों को प्रताड़ित किया गया. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का भी गला घोंटा गया. उस दौरान गिरफ्तार किए गए हजारों लोगों पर अमानवीय अत्याचार किए गए. प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल के दौरान लोगों पर अत्याचार को लेकर तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर निशाना साधने के लिए रविवार को अपने मासिक रेडियो प्रसारण कार्यक्रम में आपातकाल का विरोध करने वाले प्रमुख नेताओं की टिप्पणियां सुनाई. उन्होंने कहा कि इन्हें हमेशा याद रखा जाना चाहिए क्योंकि ये लोगों को संविधान को मजबूत रखने



के लिए सतर्क रहने की प्रेरणा देता है.

मोदी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पार्टी का नाम लिए बिना आपातकाल के दौर की ज़्यादातरियों के लिए कांग्रेस की निंदा की. आपातकाल को लेकर केंद्र में बीजेपी और विपक्षी कांग्रेस के बीच आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है. कांग्रेस का कहना है कि मोदी सरकार के तहत अघोषित आपातकाल कायम है. मोदी ने कहा कि 1975 से 1977 के बीच 21 महानों की अवधि के लिए आपातकाल के दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया था. उन्होंने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता.

मुंबई.

महाराष्ट्र में हिंदी भाषा की अनिवार्यता के फैसले पर फिलहाल रोक लगा दी है. महाराष्ट्र कैबिनेट में शिवसेना के मंत्री गुलाबराव पाटील, संभुराज देसाई और दादा भुसे ने हिंदी भाषा अनिवार्यता पर स्थगिती लाने की मांग की थी. वहीं अब सीएम देवेंद्र फडणवीस ने इसकी स्थगिती का ऐलान कर दिया है. सीएम ने कहा कि त्रिसुत्री भाषा पर समिती अहवाल तैयार करेगी, तब तक के लिए इसे स्थगित किया जाता है.

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, “सरकार ने त्रिभाषा नीति पर जारी दोनों जीआर रद्द कर दिए हैं. त्रिभाषा नीति लागू करने के लिए समिति का गठन किया है. आज कैबिनेट बैठक में हमने निर्णय लिया है कि त्रिभाषा नीति किस प्रकार लागू की जानी चाहिए, इस पर विचार के लिए डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जाएगी. यह समिति सभी संबंधित पक्षों से चर्चा करेगी और उसकी रिपोर्ट के आधार पर ही त्रिभाषा नीति लागू की जाएगी. इसलिए त्रिभाषा नीति पर जारी दोनों शासकीय आदेश (जीआर) रद्द किए जा रहे हैं. हमारे लिए इस नीति का केंद्र बिंदु मराठी ही रहेगा.” उन्होंने कहा, “मराठी के संदर्भ में जो सो रहे हैं उन्हें उठाया जा सकता है, लेकिन जो दिखावा कर रहे हैं, उन्हें नहीं. कर्नाटक और यूपी जैसे राज्यों ने अपनी शैक्षणिक नीति लागू कर दी है. 16 अक्टूबर 2020 को उद्भव ठाकरे ने नेतृत्व में एक जीआर (सरकारी



आदेश) जारी किया गया था. इसके तहत रघुनाथ माशेलकर की अध्यक्षता में 18 सदस्यों की एक समिति गठित की गई थी.

इस समिति में शामिल थे थोरात, येवले, राजन वेळुकर, सपकाळ, जी. डी. जाधव, विजय पाटील, नितीन पुजार, अभय वाघ, निरंजन हिरानंदानी, भारत आहुजा, देविदास गोल्कर, मिलिंद साठम, अजित जोशी, विजय कदम (शिवसेना उद्भव गुट के उपनेता), धनराज माने आदि. यह एक मराठी और शिक्षाविदों की विशेषज्ञ समिति थी. उन्होंने कहा कि उद्भव ठाकरे ने 101 पत्रों की रिपोर्ट सौंपी थी.

रिपोर्ट में उनकी तस्वीर भी है, संपादक भी उपस्थित थे, हालांकि वे पीछे खड़े हैं. मैं खबरों में नहीं जाता, मैं रिपोर्ट की बात करता हूं. रिपोर्ट के पृष्ठ क्रमांक 56 पर यह अनुशंसा दी गई है कि एक उपसमूह बनाया गया था, जिसमें सुखदेव थोरात, नागनाथ कोतापल्ली, विजय कदम भी शामिल थे. उन्होंने सिफारिश की थी कि अंग्रेजी और हिंदी भाषा पहली से बारहवीं तक पढ़ाई जाए. मराठी को प्राथमिकता देना जरूरी बताया गया,

लेकिन हिंदी का उल्लेख भी किया गया. ‘उद्भव ठाकरे की कैबिनेट ने किए थे हस्ताक्षर’ : सीएम ने कहा कि शिवसेना (उद्भव गुट) के उपनेता भी उस समिति में थे और उन्होंने ही यह अनुशंसा की थी. 14 सितंबर 2021 को यह रिपोर्ट सौंपी गई थी. 7 जनवरी 2022 को यह रिपोर्ट कैबिनेट में प्रस्तुत की गई. उद्भव ठाकरे की कैबिनेट ने इस पर हस्ताक्षर किए. इसलिए यह कहना गलत है कि उस रिपोर्ट को स्वीकार करते समय त्रिभाषा सूत्र मान्य नहीं किया गया था.

एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट को भी उस समय मंजूरी दी गई थी. माशेलकर समिति की रिपोर्ट को स्वीकार किया गया था और इसे लागू करने के लिए एक समिति बनाई गई. उसी समिति के अनुसार अब जो जीआर निकाले गए हैं, वे आए हैं. 2025 में पहला जीआर निकाला गया, जिसमें मराठी अनिवार्य भाषा थी, दूसरी अंग्रेजी और तीसरी हिंदी बताई गई. जब इस पर सवाल उठे, तो 17 जून को सरकार ने स्पष्ट किया कि तीसरी भाषा कोई भी भारतीय भाषा हो सकती है.

महाराष्ट्र में हिंदी भाषा की अनिवार्यता को लेकर फैसला

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने किये कई ऐलान

'पहली से नहीं पढ़ाई जाएगी तीसरी भाषा'

मुख्यमंत्री फडणवीस ने ये भी कहा, तीसरी भाषा पहली से नहीं पढ़ाई जाएगी, बल्कि तीसरी कक्षा से उसका लेखन-पठन होगा. पहली कक्षा से केवल संवाद के स्तर पर भाषा सिखाई जाएगी. हम चाहते हैं कि सभी निर्णय सर्वसम्मति से लिए जाएं. एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के अनुसार छात्रों को नंबर नहीं दिए जाएंगे, लेकिन अन्य भाषाओं (जैसे गुजराती, अंग्रेजी) वालों को अंक मिलेंगे. ऐसे में हमारी मराठी भाषा वाले बच्चे पीछे रह जाएंगे. उन्होंने कहा कि यह वास्तविकता है और इसे नए नेताओं के सामने प्रस्तुत करना जरूरी है. इसीलिए हमने दादा भुसे से संवाद करने को कहा था, और वे बातचीत कर रहे हैं. कैबिनेट में हमने चर्चा की और यह निर्णय लिया है कि किस कक्षा से नीति लागू की जाए और क्या विकल्प दिए जाएं. अब डॉ. नरेंद्र जाधव के नेतृत्व में एक समिति बनाई जाएगी. इसमें अन्य सदस्य भी होंगे.

'मराठी विद्यार्थी महत्वपूर्ण'

सीएम ने कहा कि इस समिति के आधार पर ही त्रिभाषा नीति लागू की जाएगी. हमने दोनों पूर्व जीआर (सरकारी आदेश) रद्द करने का निर्णय लिया है. माशेलकर समिति का अध्ययन किया जाएगा, सभी पक्षों की राय ली जाएगी और उसके बाद ही राज्य सरकार अंतिम निर्णय लेगी. हमारे लिए मराठी और मराठी विद्यार्थी महत्वपूर्ण हैं. हमारी नीति छात्र-केंद्रित होगी.

सीएम ने बनाई समिति

महाराष्ट्र के स्कूलों में भी इस फैसले का विरोध होने लगा था. बढ़ते विरोध के बीच ही राज्य मंत्रिमंडल ने रविवार को त्रिभाषा नीति को लागू करने से जुड़े दो जीआर (सरकारी आदेश) वापस लेने का फैसला किया. मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिक्षाविद् नरेंद्र जाधव के नेतृत्व में एक समिति के गठन की भी घोषणा की. यह समिति भाषा नीति के आगे के रास्ते और कार्यान्वयन का सुझाव देगी.

आदेश वापस लेने का फैसला

फडणवीस ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के तौर पर उद्भव ठाकरे ने कक्षा 1 से 12 तक त्रिभाषा नीति शुरू करने के लिए डॉ. रघुनाथ माशेलकर समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया था.

रूस के हवाई हमले में यूक्रेन के एफ-16 पायलट की मौत

> जेलेन्स्की ने अमेरिका से मांगी मदद

मॉस्को.

रूस ने रविवार रात को यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। रूस ने 477 ड्रोन और 60 मिसाइलें दागीं। रूस ने एफ/केएस-23 बैलिस्टिक मिसाइल, क्लूज मिसाइलों से हमला किया। हालांकि यूक्रेनी वायु सेना ने इनमें से 475 हमलों को रोक दिया। यूक्रेन की डिफेंस मिनिस्ट्री ने सोशल मीडिया पोस्ट कर यह जानकारी दी है। रिपोटर्स के मुताबिक इस हमले के दौरान एक मिसाइल ने यूक्रेन के F-16 फाइटर जेट को मार गिराया। यूक्रेन ने बताया कि हमले में फाइटर जेट के पायलट मक्सिम उस्तोमैन्को की मौत हो गई। रूसी हमलों में रियाघोशी इलाकों को नुकसान पहुंचा और 12 लोग घायल हो गए। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि पायलट ने रूसी हमले के दौरान 7 मिसाइलों को मार गिराया, लेकिन

आखिरी टारगेट हिट करते वक्त उनके विमान में दिक्कत आ गई। पायलट एफ-16 को आबादी वाले क्षेत्र से दूर ले गया, लेकिन वह समय पर विमान से बाहर नहीं निकल सका। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की ने रूस के हवाई हमले के बाद अमेरिका और पश्चिमी सहयोगियों से तत्काल मदद की अपील की है। जेलेन्स्की ने ‘एक्स’ पर लिखा, “रूस ने घरों को निशाना बनाया। स्मिला में एक रियाघोशी इमारत पर भी हमला हुआ, जिसमें एक बच्चा घायल हुआ।” जेलेन्स्की ने अमेरिका से पैट्रियट मिसाइल सिस्टम खरीदने की मांग की है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अभी तक यूक्रेन के लिए नई सैन्य मदद को मंजूरी नहीं दी है, लेकिन हाल ही में नाटो शिखर सम्मेलन में जेलेन्स्की से मुलाकात के बाद उन्होंने इस अनुरोध पर विचार करने की बात कही थी।

बिहार में मेरे चुनाव लड़ने से उनको तकलीफ जिन्होंने 90 के दशक में राज्य को बर्बाद किया: पासवान

पटना.

केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आरजेडी पर हमला बोलते हुए बिहार के अगले मुख्यमंत्री को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि बिहार का अगला मुख्यमंत्री बनने या जनता तय करेगी। लेकिन यह तो यह है कि वे 90 के दशक के जंगलराज को दोबारा नहीं लाएंगे। चिराग पासवान ने आगे कहा कि उस दौर की यादें लोगों के जेहन में आज भी ताजा हैं, जब आरजेडी और लालू के परिवार ने बिहार के लोगों को प्रताड़ित किया था। पासवान ने आपातकाल की तुलना करते हुए कहा कि जिस तरह से आपातकाल की सच्चाई लोगों को बताना जरूरी है, वैसे ही 1990 के जंगलराज के बारे में भी युवाओं को बताना जरूरी है। पासवान ने युवा और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से उस दौर की सच्चाई को समझने की अपील की है। साथ ही उन्होंने 2005 के बाद जन्मे युवाओं को उस समय की स्थिति के बारे में बताने की जरूरत पर जोर दिया। पासवान ने आरजेडी पर बिहारियों के पलयन के लिए मजबूर करने और राज्य को तबाह करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस दौर के युवाओं को जो पहली बार वोट देने वाले हैं उन्हें यह जानना बेहद जरूरी है कि उस दौर में बिहार की हालत क्या थी।

पासवान ने मतदाता सूची के सत्यापन की प्रक्रिया को



लेकर विपक्ष के सवाल को खारिज करते हुए कहा कि यह एक नियमित प्रक्रिया है जिसे समय समय पर अपनाया जाता है। पासवान ने विपक्ष पर हर मुद्दे को राजनीतिक रंग देने का आरोप भी लगाया और कहा कि विपक्ष का किसी भी व्यवस्था या संस्थान पर भरोसा नहीं बचा। यह केवल एक सामान्य प्रक्रिया है जिसमें कोई फर्जीवाड़ा नहीं होता। उन्होंने विपक्ष पर देश को अराजकता की ओर ले जाने का भी आरोप लगाया। पासवान ने महागठबंधन की हार को लेकर दावा करते हुए कहा कि विपक्ष हार के बहाने ढूंढ रहा है। उन्होंने कहा अगर विपक्ष सामान्य प्रक्रियाओं को भी संदेह की दृष्टि से देख रहा है तो यह साफ है कि उन्होंने अपनी हार मान ली है।

पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद भगदड़, 3 की मौत; 50 लोग घायल

सीएम माझी ने माफी मांगी, 2 अफसर सस्पेंड, पुरी कलेक्टर-एसपी को हटाया

भुवनेश्वर.

ओडिशा के पुरी में श्रीगुंडिका मंदिर के पास आज रविवार सुबह को हुई भगदड़ की घटना के बाद राज्य सरकार ने कड़ा एक्शन लिया और 2 पुलिस अफसरों को निलंबित कर दिया. जबकि जिलाधिकारी और एसपी का ट्रांसफर कर दिया. मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पुरी में हुई भगदड़ के भगवान जगन्नाथ के भक्तों से क्षमा मांगी है. जबकि कांग्रेस ने कहा कि इसके लिए बरती गई लापरवाही और कुप्रबंधन अक्षम्य है. मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पुरी मंदिर भगदड़ की स्थिति के आकलन के लिए उपमुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की. बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि पुरी के जिलाधिकारी सिद्धार्थ एस. स्वेन और पुलिस अधीक्षक (एसपी) विनोत अग्रवाल का ट्रांसफर कर दिया गया है.

वरिष्ठ अधिकारी पिनाक मिश्रा,



जो वर्तमान में एडीजी (क्राइम) हैं, को पुरी का नया एसपी बनाया गया है. जबकि खुर्दा के कलेक्टर चंचल राणा पुरी के नए जिलाधिकारी के रूप में कार्यभार संभालेंगे. यही नहीं सरकार ने पुरी के डीसीपी बिष्णु चरण पति और पुलिस कमांडेंट अजय पाधी को निलंबित कर दिया है.

आज सुबह हुई भगदड़ की घटना पर सीएम माझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर माफी मांगते हुए कहा, “मैं और मेरी सरकार सभी जगन्नाथ भक्तों से माफी मांगते हैं. भगदड़ में अपनी जान गंवाई वाले श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति हम अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं. महाप्रभु

जगन्नाथ से हमारी प्रार्थना है कि वे उन्हें इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें.”

साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सुझा चूक की जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा, “यह लापरवाही अक्षम्य है. सुरक्षा चूक को लेकर की तत्काल जांच की जाएगी और मैंने अफसरों को निर्देश दिया है कि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं.”

डीजीपी कर रहे हादसे की जांच: कानून मंत्री : राज्य के कानून मंत्री पृथ्वी राज हरिचंदन ने बताया कि भगदड़ मामले की जांच ओडिशा पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कर रहे हैं, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी.



बोसीएन एवं बीटीपी ग्रुप के संस्थापक

मा. सिराजभाई शेख

इनके जन्मदिन के उपलक्ष्य में

बीसीएन, बीटीपी ग्रुप एवं कारा फाउंडेशन के तरफ से

निःशुल्क चष्मे, मोतीयाबिंदू ऑपरेशन, आरोग्य शिबीर

सोमवार दि. ३० जुन २०२५ को सुबह ९.३० से दोपहर १ बजे तक

स्थल : श्री हनुमान मंदिर, वैभव नगर, दिगोरी, नागपुर.

शिबिर की अधिक जानकारी के लिए संपर्क करे: संजय लहाने मो. 9579369253

फ्री ऑखो की जांच

फ्री मोतियाबिंदू ऑपरेशन

स्व. भानुताई गडकरी

ग्रामीण विकास संस्था

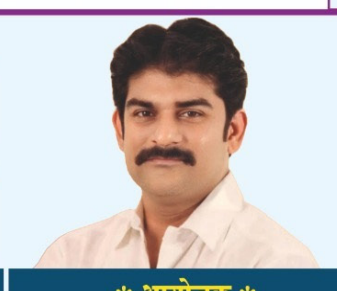
जनरल जांच

फ्री डेंटल जांच

Dr. Aditya Kawane

Cell No.: 9112002604

प्रशांत बडनाके मो. 9730005615, इमरान शेख मो. 9730005662, स्वप्नील बुंढाडे मो. 8482817786



*** आयोजक ***

मा. नगरसेवक किशोर कुमेरिया

● ● ● ● ● ● ● ●

● ● ● ● ● ● ● ●

CMYK ● ● ● ● ● ● ● ●

ड्राई फ्रूट्स ही नहीं, सेंधा नमक भी होगा महंगा

> त्योहारी सीजन के चलते दामों में इजाफा



कमी आई है. ईरान और अफगानिस्तान जैसे देशों से आने वाले पिस्ता और अंजीर की कीमतों में पिछले कुछ हफ्तों में 300 से 400 रुपये प्रति किलो तक

की बढ़ोतरी हुई है।दिल्ली के बाजारों में मामूरा बादाम की कीमत 2000 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 2400 रुपये और ईरानी पिस्ता 1400 रुपये

सेंधा नमक के बढ़ रहे हैं दाम
सेंधा नमक की कीमत भी तेजी से बढ़ी है. प्रयागराज और अन्य शहरों में सेंधा नमक का दाम 60 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है. इसका कारण भी आयात में रुकावट और स्थानीय स्तर पर मांग में वृद्धि है. सावन और नवरात्र जैसे त्योहारों में सेंधा नमक की मांग बढ़ने से व्यापारी इसका भंडारण कर रहे हैं, जिससे कीमतें और चढ़ रही हैं.

से 1700 रुपये प्रति किलो हो गया है. इसके अलावा, भारत-पाकिस्तान तनाव के कारण अटारी सीमा बंद होने से अफगानिस्तान से ड्राई फ्रूट्स की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है.

हालांकि, कुछ व्यापारियों को उम्मीद है कि ग्लोबल टेंशन के धीरे-धीरे कम होने से कीमतें अगले एक महीने में कम हो सकती हैं. लेकिन

तब तक कस्टमर्स को महंगे दामों का बोझ उठाना पड़ सकता है. एकस्पर्ट का कहना है कि ग्लोबल तनाव और घरेलू फसल उत्पादन में कमी के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है. नासिक और केरल में किशमिश की फसल कमजोर होने से भी कीमतों पर असर पड़ा है. इस स्थिति ने नवरात्र और सावन की तैयारियों पर असर डाला है.

नई दिल्ली.

सावन जैसे पवित्र महीने से पहले भारतीय बाजारों में सेंधा नमक और ड्राई फ्रूट्स की कीमतों में भारी उछाल देखने को मिल रहा है. आयात पर निर्भर भारत में ड्राई फ्रूट्स और सेंधा नमक की कीमतें आसमान छू रही हैं. मार्केट के जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में त्योहारी सीजन के चलते इनको दामों में इजाफा देखने को मिल सकता है. पिछले 15 दिनों में इनके दाम 20-25 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं. इसके पीछे की मुख्य वजह ईरान-इजराइल वॉर और अटारी बॉर्डर के बंद होने को माना जा रहा है.

पश्चिम एशिया से आयात होने वाले ड्राई फ्रूट्स, जैसे बादाम, पिस्ता, किशमिश और अंजीर, की आपूर्ति में

जीडीपी तक हिला देगा नाटो का अगला कदम!

> बदल सकता है ग्लोबल पावर बैलेंस
नई दिल्ली.



को अब अपनी सुरक्षा जिम्मेदारी खुद उठानी है, खासकर तब जब अमेरिका की घरेलू राजनीति अब पहले जैसी इंटरनेशनल नहीं रही. नाटो अब चाहता है कि यूरोप सिर्फ अमेरिका पर निर्भर न रहे, बल्कि अपने छोड़ों, हथियार और तकनीक खुद बनाए और इस्तेमाल करे. इसी सोच के तहत नाटो ने सदस्यों के बीच डिफेंस ट्रेड में आने वाली अड़चनों को भी हटाने की बात की है.

अब सवाल उठता है कि क्या जीडीपी का 5% खर्च करना संभव होगा? कई यूरोपीय देशों में महंगाई, बढ़ते सामाजिक खर्च, और आर्थिक मंदी की स्थिति है. ऐसे में इतनी बड़ी

रकम हर साल सेना पर खर्च करना जनता के लिए भी चिंता का विषय बन सकता है. इसके अलावा यूरोप के कई देश अभी भी अपनी सरकारी योजनाओं, स्वास्थ्य और शिक्षा पर ज्यादा ध्यान देते हैं. उन्हें अपनी बजट प्राथमिकताएं बदलनी होंगी और इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति भी चाहिए होगी. जनता को भी समझाना होगा कि ये खर्च क्यों जरूरी है.इतना ही नहीं कई देशों में इसका पुरजोर विरोध भी हो सकता है कि शांति के समय हथियारों पर इतना पैसा क्यों खर्च किया जा रहा है. हालांकि नाटो का तर्क है कि आज की तैयारी ही कल की सुरक्षा है.

> रोजनेफ्ट की 49% हिस्सेदारी खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली.

मुकेश अंबानी एक बड़ी डील की तैयारी में हैं, जो सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका और चीन जैसे बड़े देशों को भी हैरान कर सकती है. रूस की तेल कंपनी रोजनेफ्ट (Rosneft) भारत में अपनी कंपनी नायरा एनर्जी में से लगभग 49% हिस्सेदारी बेचने की सोच रही है. इस डील के लिए रोजनेफ्ट ने रिलायंस इंडस्ट्रीज से बातचीत शुरू

कर दी है. अगर यह सौदा हो जाता है, तो रिलायंस देश की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी कंपनी बन जाएगी और उसे 6,750 बैरेल पंपों का बड़ा नेटवर्क भी मिलेगा. इससे अंबानी की कंपनी भारत में तेल बेचने और बाजार पर कब्जा जमाने में बहुत आगे निकल जाएगी.

एक रिपोर्ट के मुताबिक यह बातचीत अभी शुरुआती दौर में है. डील की कीमत को लेकर सहमति बनना बाकी है और इस बात की कोई गारंटी नहीं कि यह सौदा पक्का हो जाएगा. रोजनेफ्ट पिछले एक साल में कम से कम तीन बार भारत आ चुकी है. कंपनी के बड़े अधिकारी अहमदाबाद और मुंबई में संभावित निवेशकों से मिले हैं.

रोजनेफ्ट ये हिस्सेदारी इसलिए

इस राज्य में इनकम टैक्स से पूरी आज़ादी!

नई दिल्ली.

आयकर विभाग की ओर से इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की तारीख को इस बार बढ़ाकर 15 सितंबर कर दिया गया है. तारीख नजदीक आ रही है. लोग अपने कमाई का ब्यौरा डिपॉजिट को दे रहे हैं. लेकिन क्या आपको है कि भारत में एक ऐसा भी राज्य है, जहां पर कमाई पर जोरो टैक्स लगता है. जो हां, सिक्किम में किसी भी व्यक्ति को अपनी कमाई पर कोई टैक्स नहीं देना होता है.

सिक्किम भारत का एकमात्र राज्य है, जहां संविधान के अनुच्छेद 371(फ) और इनकम टैक्स एक्ट की धारा 10(26एए) के तहत मूल निवासियों को आयकर से छूट प्राप्त

है. जब 1975 में सिक्किम भारत का हिस्सा बना, तब उसके अपने प्रशासनिक और कर नियम थे. भारत सरकार ने इन नियमों को बनाए रखने का वादा किया, जिसके लिए संविधान में अनुच्छेद 371(फ) जोड़ा गया.

इस अनुच्छेद के कारण सिक्किम के मूल निवासियों को आयकर में छूट मिली, जो आज भी लागू है. धारा 10(26एए) के अनुसार, सिक्किम के मूल निवासियों की आय जैसे वेतन, व्यवसाय, शेयरों से लाभ, ब्याज या निवेश पर कोई कर नहीं लगता है. यह विशेष प्रावधान सिक्किम की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित करने के लिए बनाया गया है, जो इसे भारत के अन्य राज्यों से अलग करता है.

2 जुलाई से खुलेंगे 7 नए आईपीओ



मुंबई.अगले हफ्ते स्टॉक मार्केट में आईपीओ का जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा. कुल 7 नए आईपीओ लॉन्च हो रहे हैं और 12 कंपनियों की लिस्टिंग होने जा रही है. इनमें मेनबोर्ड और एसएमई दोनों सेगमेंट शामिल हैं, जो निवेशकों को अलग-अलग सेक्टर में निवेश करने का अवसर देंगे.

कई आईपीओस पूरी तरह प्रेशर इशू हैं, यानी पैसा सीधे कंपनी में जाएगा. कुछ आईपीओस ऑफर फॉर सेल के जरिए मौजूदा शेयरहोल्डर्स अपने शेयर बेच रहे हैं. एसएमई सेक्टर में भी कई आकर्षक कंपनियां शामिल हैं, जहां जल्दी लिस्टिंग गेन मिलने की उम्मीद रहती है. यह समय उन निवेशकों के लिए शानदार है जो लंबी अवधि में ग्रोथ स्टोरी का हिस्सा बनना चाहते हैं.

१- श्रद्धा सबूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, डेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेट
४- साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेश लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८- मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९- र्मा आंबे लॉटरी, आगाराम देवी

१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११- दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी डेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमोरो में भाग लेने का अंतिम मौका

> आपका आइडिया बन सकता है अगला बड़ा समाधान

नई दिल्ली.

दिल्ली की गलियों से लेकर कोल्हापुर की कक्षाओं तक, हजारों छात्रों ने एक नए विश्वास और जज़्बे के साथ सैमसंग सॉल्व फॉर टुमोरो प्रतियोगिता में भाग लिया है। अब बारी आपकी है। 30 जून 2025 इस राष्ट्रीय नवाचार प्रतियोगिता में आवेदन करने की अंतिम तारीख है। सॉल्व फॉर टुमोरो एक ऐसा मंच है जो 14 से 22 वर्ष की उम्र के युवाओं को अपने विचारों को वास्तविक समाधान में बदलने का अवसर देता है। इस पहल का उद्देश्य केवल इनाम देना नहीं, बल्कि देशभर के युवाओं को डिज़ाइन थिंकिंग, मेंटोरशिप, फंडिंग और प्रोटोटाइप निर्माण जैसी आवश्यक संसाधनों से जोड़कर समाजिक बदलाव की दिशा में प्रेरित करना है।

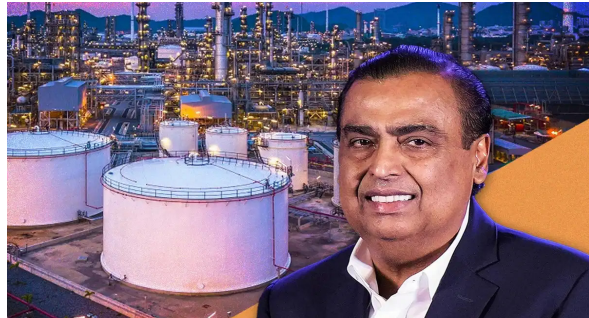


दिल्ली से कोल्हापुर तक, हजारों स्टूडेंट्स आगे आए हैं अब आपकी बारी है। शानदार आइडिया से वास्तविक समस्याओं का समाधान करें और 1 करोड़ रुपये जीतने का मौका पाएं। 30 जून तक आवेदन करें।

दिल्ली की गलियों से लेकर कोल्हापुर की कक्षाओं तक, हजारों छात्रों ने एक साहसी विश्वास के साथ कदम बढ़ाया है- "मैं कल के लिए समाधान खोज सकता हूँ। अब, जैसे

ही सैमसंग सॉल्व फॉर टुमोरो रोडशो अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है, भारत के युवा चैंजमेकर्स के लिए अपने आइडियाज़ को हकीकत में बदलने की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है. 30 जून 2025 इस राष्ट्रीय नवाचार प्रतियोगिता सैमसंग सॉल्व फॉर टुमोरो में आवेदन करने का अखिरी दिन है। यह चैलेंज 14 से 22 वर्ष की उम्र के युवाओं के लिए है, जिसने पूरे देश में एक नई सोच और बदलाव की गूँह पैदा की है।

तेल के ग्लोबल गेम में अंबानी का वार!



बेच रही है क्योंकि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की वजह से उसे भारत से पैसे निकालने में परेशानी हो रही है. दूसरी ओर, अंबानी इस मौके का फायदा उठाकर भारत को तेल के खेल में और मजबूत करना चाहते हैं. इस डील से तेल का ग्लोबल गेम बदल सकता है, और यही वजह है कि अमेरिका और

चीन जैसे देश भी इसे गौर से देख रहे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस इस डील के लिए सबसे मजबूत दावेदार है. रिलायंस के पास जामनगर, गुजरात में दो रिफाइनरियां हैं, जिनकी कुल क्षमता 68.2 मिलियन टन प्रति वर्ष है. अगर नायरा की 20 मिलियन टन की रिफाइनरी इसके साथ जुड़ती है तो

रिलायंस की कुल रिफाईनिंग क्षमता 88.2 मिलियन टन हो जाएगी. यह इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की 80.8 मिलियन टन की क्षमता से ज्यादा होगी. इससे रिलायंस देश की नंबर-1 रिफाइनरी कंपनी बन जाएगा.

हालांकि रिलायंस के प्रवक्ता ने इस खबर पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया. उन्होंने कहा, "हमारी नीति के तहत हम मौडिया की अटकलों और अफवाहों पर टिप्पणी नहीं करते. हमारी कंपनी समय-समय पर विभिन्न अवसरों का मूल्यांकन करती रहती है. हम सेबी (लिस्टिंग दाथित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) नियमों 2015 और स्टॉक एक्सचेंजों के साथ हमारे समझौतों के तहत जरूरी खुलासे करते हैं और आगे भी करते रहेंगे."

सहारा के निवेशकों को झटका!

नई दिल्ली.

सहारा समूह की चार सहकारी समितियों में जमा पैसें के रिफंड के लिए मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेशन ने सीआरसीएस सहारा री-सबमिशन रिफंड पोर्टल शुरू किया है. यह पोर्टल उन निवेशकों के लिए है, जिनके रिफंड करेम पहले खारिज हो गए थे या जिनमें दस्तावेजों की कमी पाई गई थी. यह पोर्टल 5 लाख रुपये तक के दावों के लिए खुला है और निवेशकों को जल्द से जल्द आवेदन करने की सलाह दी गई है. आइए आपको इसकी डिटेल् के बारे में बताते हैं. यह प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के 29 जून 2023 के निर्देश के तहत शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य सहारा समूह की चार सहकारी समितियों हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव



सोसाइटी लिमिटेड (कोलकाता), सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (लखनऊ), सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी लिमिटेड (भोपाल), और स्टार्स मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (हैदराबाद) के वास्तविक निवेशकों को उनका पैसा वापस दिलाना है.

सीआरसीएस सहारा री-सबमिशन रिफंड पोर्टल केवल उन निवेशकों के लिए है, जिनके आवेदन पेमेंट और डॉक्यूमेंट की कमी के चलते रिजेक्ट हुए हैं. जिन निवेशकों को सीआरसीएस सहारा रिफंड पोर्टल पर कमी का संदेश मिला है, वे अपने 14-अंकीय क्लेम रिव्क्स्ट नंबर (सीआरएन) के जरिए लॉगिन कर सकते हैं. नए निवेशक जो पहली बार दावा कर रहे हैं, वहीं, जिन आवेदनों को 45 दिन पूरे हो चुके हैं, केवल वही री-सबमिशन के लिए पात्र हैं.

आरबीआई की तिजोरी में 870 टन सोना!

नई दिल्ली.

देश में हर घर की तरह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने की अहमियत को समझता है. यही कारण है कि वह 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुना बढ़ा चुका है और वर्तमान में यह लगभग 870 टन पहुंच गया है. केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन की सोने की ईंट के रूप में विभिन्न जगहों पर यह स्वर्ण भंडार रखता है. आरबीआई पर बनी डॉक्यूमेंट्री में इस बात की जानकारी दी गई है.आरबीआई ने अपने कामकाज और भूमिकाओं को लोगों के सामने लाने के लिए हाल में जारी डॉक्यूमेंट्री के जरिए यह भी बताया है कि हमारा देश दुनिया में कंसेरी नोट के सबसे बड़े उत्पादकों

में से एक है. जहां अमेरिका में यह लगभग 5,000 करोड़ यूनिट, यूरोप में 2,900 करोड़ यूनिट है वहीं भारत में यह 13,000 करोड़ यूनिट (दो मई, 2025 की स्थिति के अनुसार चलन में कुल नोट का मूल्य 38.1 लाख करोड़ रुपए) है.

यह पहली बार है जब आरबीआई के कार्यों को डॉक्यूमेंट्री के रूप में लाया गया है. आरबीआई अनलॉक्ड: बियांड द रुपी टॉपिक से जारी पांच भाग वाली यह सीरीज जियो हॉस्टस्टर के साथ मिलकर शुरू की गई है. इसमें पहली बार आरबीआई ने अपने गोल्ड वॉल्ट (तिजोरी) को दिखाया है.डॉक्यूमेंट्री में दी गई जानकारी के अनुसार, सेंट्रल बैंक 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुना बढ़ा चुका है और देश में

गोल्ड रिजर्व के संरक्षक के रूप में लगभग 870 टन सोना काफी सुरक्षित स्थानों पर रखा है. बहुत कम लोगों को ही सोने की तिजोरियों के क पहुंच है. इस सोने को केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन के गोल्ड बार के रूप में रखा गया है. केंद्रीय बैंक के अधिकारी कहते हैं कि सोना केवल धातु नहीं बल्कि देश की ताकत है.

देश बनते रहेंगे, बिगड़ते रहेंगे. अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव होता रहेगा लेकिन सोना हमेशा अपना मूल्य बनाए रहेगा. आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 20 जून को समाप्त सप्ताह में गोल्ड रिजर्व का मूल्य 57.3 करोड़ डॉलर घटकर 85.74 अरब डॉलर रहा. वहीं विदेशी मुद्रा भंडार इस दौरान 1.01 अरब डॉलर घटकर 697.93 अरब डॉलर रहा.

8वें वेतन आयोग से पेंशनर्स को बड़ी राहत!

>अब 12 साल में मिल सकती है पूरी पेंशन

नई दिल्ली.

केंद्र सरकार 8वें वेतन आयोग के तहत पेंशनभोगियों को एक बड़ी राहत देने की तैयारी में है. अब कम्प्यूटेड पेंशन (कम्प्यूटेड पेंशन) की बहाली की अवधि 15 साल से घटाकर 12 साल करने की मांग जोर पकड़ चुकी है. यह मांग कर्मचारियों की प्रतिनिधि संस्था नेशनल काउंसिल (जेसीएम) की ओर से सरकार को दी गई चार्टर ऑफ डिमांड का हिस्सा है. अगर यह मांग मानी जाती है, तो लाखों रिटायर्ड कर्मचारियों को जल्दी पूरी पेंशन मिलनी शुरू हो जाएगी.

जब कोई सरकारी कर्मचारी रिटायर होता है, तो उसे अपनी पेंशन पेंशन से एक तय राशि काट ली जाती है, ताकि सरकार उस लम्प सम रकम की भरपाई कर सके. फिगहल ये कटौती 15 साल तक होती है, यानी 15 साल बाद ही कर्मचारी को उसकी पूरी पेंशन मिलती है. कर्मचारी संगठनों और पेंशनर्स का कहना है कि 15 साल की अवधि बहुत



अगर ये नियम लागू हुआ तो क्या होगा फायदा ?
सरकार अगर कम्प्यूटेड पेंशन की बहाली अवधि 12 साल कर देती है. तो यह लाखों पेंशनर्स के लिए राहत की सांस होगी. भले ही 8वें वेतन आयोग की प्रक्रिया में समय लग रहा हो, लेकिन इस दिशा में उठाया गया हर कदम सरकारी सेवा दे चुके लोगों के सम्मान और हक का प्रतीक होगा. इसके अलावा, रिटायर हो रहे कर्मचारियों को पूरी पेंशन जल्द मिल जाएगी. उनको स्वतंत्र आर्थिक स्थिति में मदद मिलेगी. स्वास्थ्य, पारिवारिक खर्चों और सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करना आसान होगा और पहले से रिटायर्ड पेंशनर्स को भी राहत मिल सकती है (अगर नियम को पीछे से लागू किया गया).

लंबी और आर्थिक रूप से नुकसानदेह है. आज के समय में ब्याज दरें काफी कम हो गई हैं, जबकि कटौती का फॉर्मूला पुराना है. इससे रिटायर्ड कर्मचारी अपनी ही पेंशन का बड़ा हिस्सा खो बैठते हैं.

नेशनल काउंसिल (जेसीएम) ने हाल ही में कैबिनेट सचिव को कर्मचारियों की प्रमुख मांगों की सूची

सौंपी है. इसमें सबसे बड़ी मांग यही है, कम्प्यूटेड पेंशन की बहाली अवधि 15 साल से घटाकर 12 साल की जाए. सरकार की तरफ से संकेत मिले हैं कि यह मुद्दा 8वें वेतन आयोग के टीओआर (टर्म ऑफ़ रिफरन्स) में शामिल किया जा सकता है. इससे उम्मीद और मजबूत हो गई है कि यह बदलाव वाकई लागू हो सकता है.

प्रविण कडू : 9822247123

सुविचार
"सावन की बारिश हमें सिखाती है जैसे धरती हर बूँद से संवरती है, वैसे ही धैर्य और प्रेम से जीवन में हर सूखा मिट सकता है।"
संपादकीय
सत्यकाम अभिषेक

मध्य-पूर्व संकट इज़राइल-ईरान टकराव में बढ़ता खतरा और अस्थिरता की आशंका

इज़राइल और ईरान के बीच का टकराव बढ़ता ही जा रहा है। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले तेज करने की चेतावनी दी है। अमेरिका ने भले लड़ाई में शामिल होने का निर्णय लेने के लिए दो हफ्ते का समय तय किया हो, लेकिन उसकी तरफ से ऐसी कोई पहल नहीं हो रही, जिससे लगे कि वह संघर्ष टालना चाहता है। इज़राइल का कहना है कि वह लक्ष्य हासिल होने तक नहीं रुकेगा, लेकिन क्या ऐसा संभव है?

एटमी खररा । अमेरिका और इस्‍राइल का मानना है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर ली है और अगर उसे नहीं रोका गया, तो खतरा पूरी दुनिया को होगा। इज़राइल ने इसी खतरे को मिटाने की बात कहकर ईरान पर हवाई हमले शुरू किए थे। लेकिन, इस लक्ष्य को लेकर सबसे बड़ा संदेह इसलिए है कि क्या वाकई ईरान एटमी पावर बनने के करीब है, क्योंकि पश्चिम के ही कई जानकारों को ऐसा नहीं लगता।

सत्ता में बदलाव । इज़राइल चाहता है कि ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत हो। हालांकि इस बात की गारंटी डॉनलड ट्रंप या नेतन्याहू में से कोई नहीं ले सकता कि खामेनेई को हटाने से समस्या का समाधान हो जाएगा। यह कैसे कहा जा सकता है कि नई सत्ता को न्यूक्लियर ताकत बनने में कोई

बाल कथा	लोकेश राउत
---------	------------

चतुर खरगोश और लालची शेर

एक बार की बात है। एक घने जंगल में एक बहुत ही लालची और घमंडी शेर रहता था। वह रोज जंगल के किसी न किसी जानवर को पकड़कर खा जाता। सारे जानवर डर के मारे जंगल छोड़ने लगे।

जंगल की सभा बुलाई गई। सब जानवरों ने मिलकर एक योजना बनाई—अब हर दिन एक जानवर खुद शेर के पास जाकर उसका भोजन बनेगा। शेर को यह बात पसंद आई क्योंकि अब उसे शिकार के लिए मेहनत नहीं करनी पड़ती।

एक दिन खरगोश की बारी आई। वह बहुत चतुर था। वह जानबूझकर देर से शेर के पास पहुँचा। शेर गुस्से से दहाड़ा, “इतनी देर क्यों की?” खरगोश ने सिर झुकाकर कहा,

संस्मरण पीहू हटवारा

गर्मियों की वो छुट्टियां

हर साल गर्मी की छुट्टियाँ आते ही मन अनायास ही पीछे लौट जाता है — उस पुराने ज़माने की ओर, जब हम बच्चे हुआ करते थे और दुनिया बहुत सरल, बहुत मासूम सी लगती थी। मुझे आज भी याद है, जब मैं का महाना शुरू होते ही स्कूल की छुट्टियाँ घोषित होती थीं और पापा हमें नानी के गाँव छोड़ आते थे। वो छोटा-सा गाँव, मिट्टी के घर, आम के पेड़, और वो नदी — सब जैसे हमारी प्रतीक्षा कर रहे होते।गाँव की सुबहें बड़ी अद्भुत होती थीं।

मुग़ों की बाँँग के साथ नौद खुलती, फिर नानी की रसोई से आती गरमागरम पोहे या हल्वे की खुबबू हमें खींच लाती। सुबह नहाकर हम बच्चे निकल पड़ते आम के बाग में — एक हाथ में लंबी लकड़ी और दूसरे में नमक-मिर्च का छोटा डिब्बा। पेड़ पर चढ़ना, कच्चे आम तोड़ना और फिर उन्हीं पेड़ों की छाया में मिलकर खाना — जैसे जीवन का सबसे बड़ा उत्सव हो। नदी में नहाना भी एक रोमांच था। माँ हमेशा मना करती थीं, लेकिन नानी की छूट मिल

कविता	पल्लवी सावनकार
-------	----------------

'सावन की बूँदें'

सावन की बूँदें जब धरती पर बरसती,
हरियाली हंसती है, धरती मुस्कराती।

भीगती हैं पतियाँ, नाचते हैं फूल,
पवन संग झूमता है हर इक बबूला।

कजरारे बादल छा जाते हैं नभ में,
कोयल कुहुकती है छुपकर अमराइयों में।

महकें हैं आंगन, मिट्टी की वो खुशबू,
मन के तारों को छेड़े जैसे कोई रूप।

शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन के सम्मेलन में संयुक्त बयान पर हुआ घटनाक्रम
चीन और पाकिस्तान का आतंक के खिलाफ भारत की लड़ाई को कमजोर करने का प्रयास है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंकवाद पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बैठक में रक्षा मंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि आतंकियों, उनके समर्थकों, फंडिंग करने वालों और सीमा पार से आतंक फैलाने वालों को जवाबदेह ठहराना जरूरी है। लेकिन, जब भारत ने यह प्रस्ताव दिया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले को संयुक्त बयान में शामिल किया जाए, तो चीन और पाकिस्तान ने मिलकर इसका विरोध किया। पाकिस्तान की ओर से यह कोशिश की गई कि बलूचिस्तान में हुई घटनाओं और वहां

आलेख

डिजिटल युग और युवा अवसर, चुनौतियां और संतुलन की आवश्यकता

> 21वीं सदी को डिजिटल युग कहा जाए तो कोई...

अतिशयोक्ति नहीं होगी। इंटरनेट, स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे तकनीकी नवाचारों ने जीवन के हर क्षेत्र में क्रांति ला दी है। इस क्रांति का सबसे बड़ा प्रभाव पड़ा है युवाओं पर। आज का युवा वर्ग डिजिटल माध्यमों से जुड़कर न केवल अपनी सोच और क्षमताओं को बढ़ा रहा है, बल्कि समाज के विकास में भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। डिजिटल युग ने युवाओं के लिए असीम संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। ऑनलाइन क्लासेस, यूट्यूब, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म ने शिक्षा को सुलभ, लचीला और रचिकर बना दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र भी अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पा रहे हैं। डिजिटल मार्केटिंग, फ्रीलान्सिंग, यूट्यूबिंग, ब्लॉगिंग, स्टार्टअप जैसे नए क्षेत्र युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खोल रहे हैं। आज का युवा किसी भी विषय पर जानकारी मात्र

एक क्लिक में पा सकता है। समाचार, शोध, वैधिक घटनाएँ — सब कुछ उनके मोबाइल स्क्रीन पर उपलब्ध है। सोशल मीडिया और डिजिटल टूल्स ने युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और दुनिया तक पहुँचाने का मंच दिया है। हालांकि डिजिटल युग ने अनेक सुविधाएँ दी हैं, लेकिन इसके साथ कुछ गंभीर खतरे भी हैं। सोशल मीडिया, गेमिंग और रील्स की लत

शशि थरूर को अब परवाह नहीं, ये कांग्रेस को तय करना है कि क्या फैसला लिया जाए

शशि थरूर ने जो कहा था, वही कर रहे हैं. वो फिर से विदेश दौरे पर हैं. फिलहाल मास्को में हैं. और, इस बार किसी ने भेजा नहीं है. न्योता मिला है. ये दौरा निजी है या सरकारी, महत्वपूर्ण नहीं है. महत्वपूर्ण ये है कि वो वहां पहुंचकर क्या कर रहे हैं.बताने वाली बात ये है कि पाकिस्तान का ही पर्दाफाश कर रहे हैं. लेकिन, हिंदी या अंग्रेजी में नहीं बल्कि फ्रेंच भाषा में. थरूर ने रूसी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष लियोनिद स्ल्टस्की के साथ मास्को में हुई एक मीटिंग में पाकिस्तान को लेकर कही. रूस में अगले साल आतंकवाद पर एक सम्मेलन करने वाला है, जिसमें भारत और पाकिस्तान सहित कई देशों को बुलाया गया है. शशि थरूर ने ऐसे सम्मेलन में पाकिस्तान को शामिल किये जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है. मास्को में शशि थरूर की रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात हुई है. विदेश मामलों पर संसद की स्थायी

हृदय स्‍वारथ्य के लिए सर्वोत्तम दवा

> कैप. हृदय कवच, कैप. कार्डिओ अमृत, को-एच और क्लीन हार्ट सिरप

यह सभी हृदय रोगों से बचाव के लिए प्रभावी दवाएं हैं। आयुर्वेद एक शाश्वत चिकित्सा शास्त्र है। जिसमें शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा गया है। इसकी चिकित्सा औषधी अत्यंत विभूद्ध अमृततुल्य होती है। जो दुष्परिणाम विरहित होकर चिकित्सा अपुनर्भव होत है अर्थात रोगों को समूल हट कर देती हैं। इन उत्पादों के माध्यम से हृदय रोगों का प्रबंधन और उपचार संभव है, जिससे जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है। आजकल की भागदौड़ की ज़िंदगी में अरमगय, अशास्त्रीय तरीके से खाना पिनान, रात्रि जागण मानसिक एवं शारीरिक तनाव, आधुनिक जीवन शैली इत्यादि के कारण ऑक्सीडेशनल डिसऑर्डर अर्थात जिवनशैली से अथवा काम में संबंधित विकार होने शुरू हो गये हैं। उनमें हाई बि.पी, शुगर के साथ हृदय विकार भी आमतात पर देखे जा रहे हैं। आजकल स्त्री हो या

पुरुष 18 साल के ऊपर की उम्र के किसी भी व्यक्ती को हृदय रोग होते हुए देखे जा रहे हैं। उसका कारण आजकल डॉ अशास्त्रीय आधुनिक जीवन शैली के अलावा कोविड-19 पैंडेमिक भी माना जा रहा है। टैंबलेट डॉ कोलो एच और क्लीन हार्ट सिरप अत्यंत प्रभावी औषधी पायी गयी है। उपर्युक्त वर्णित हृदय रोग चाहे वह किसी भी आंशु की 'ख़ास्ति' का 'हो' उपर्युक्त वर्णित औषधियाँ से 'संमूल' संपूर्ण, 'अच्छ' हो जाता है। इसके साथ स्वस्थ व्यक्ती भी अपने हृदय को स्वस्थ रखने, बीपी कोलेस्ट्रॉल को नॉर्मल रखने के हेतु से उपर्युक्त वर्णित औषधि अलुम्वी वैशों की सलाह एवं परामर्श से सेवन कर सकते हैं। शिव शंकर 'आयुर्वेद एजेंसी' द्वारा निर्मित कैप-हृदय कवच और कैप-कार्डिओ अमृत जैसे उत्पाद, हृदय रोगों के प्रबंधन और उपचार के लिए उत्कृष्ट विकल्प हैं। ये औषधियां न केवल हृदय स्वास्थ्य में सुधार करती हैं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी बढ़ाती हैं। योग कॉन्प्लेक्स, सिताबर्डी, टेम्पल बाजार रोड, महाजन मार्केट, नागपुर, आयुर्वेदिक दवाओं और उपचारों के साथ अधिक जानकारी और परामर्श के लिए, आप शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक और शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी से अथवा इस 9112079000 / 8605245080 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

शिवशंकर आयुर्वेद एजन्सी

सिताबर्डी स्थित शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000/8605245080.

संपादकीय

एससीओ सम्मेलन में चीन-पाकिस्तान की आतंकवाद पर भारत के रुख को कमजोर करने की कोशिश



की स्थिति को संयुक्त बयान में जगह मिले। यह एक सोची-समझी रणनीति थी। वर्तमान एससीओ अध्यक्ष होने के नाते सदस्यों के बीच संतुलन की जिम्मेदारी चीन की थी, लेकिन उसने

हमेशा की तरह पाकिस्तानी अजेंडे को आगे बढ़ाया। भारत के रुख से उसे झटका लगा है। संयुक्त बयान जारी न होना बड़ी नाकामी है। बलूचिस्तान के मानवीय संकट को आतंकवाद का

नेहा मूल

'चतुर लोमड़ी और प्यासा शेर'

बहुत पुरानी बात है। एक घना जंगल था जहाँ हर तरह के पशु-पक्षी चैन से रहते थे। उसी जंगल में एक बूढ़ा शेर रहता था। पहले वह बहुत ताकतवर था, शिकार करने में निपुण। लेकिन अब वह बूढ़ा हो गया था, और शिकार करने की ताकत उसमें नहीं बची थी।

एक दिन शेर बहुत प्यासा हुआ। पानी की तलाश में वह जंगल के एक छोर तक गया, जहाँ एक कुआँ था। शेर जैसे ही कुएँ की ओर झुका, उसका पैर फिसला और वह कुएँ में गिर पड़ा। वह जोर-जोर से दहाड़ने लगा, मदद के लिए पुकारने लगा। उसी समय वहाँ एक चतुर लोमड़ी निकली। उसने कुएँ में झाँका और शेर को फँसा देखा। शेर ने कहा, “लोमड़ी बहन, मुझे बाहर निकालो। मैं वचन देता हूँ कि तुम्हें कोई नुकसान नहीं पहुँचाऊँगा।” लोमड़ी मुस्कराई और बोली, “महाराज, आप जंगल के राजा हैं, लेकिन राजा को तो सोच-समझकर चलना चाहिए।” शेर

सर्कार और संस्थानों को ऐसे मंच तैयार करने चाहिए जो सकारात्मक उपयोग को बढ़ावा दे। डिजिटल युग एक वरदान है, बशर्ते इसका उपयोग समझदारी और जिम्मेदारी से किया जाए। युवा शक्ति यदि इस तकनीकी युग का सही दिशा में उपयोग करे, तो न केवल वह खुद का भविष्य संवार सकती है, बल्कि देश और समाज को भी प्रगति के मार्ग पर ले जा सकती है। आवश्यकता है डिजिटल साधनों के संतुलित और नैतिक उपयोग की।

कहानी

मीना पूरी

'सच्ची दोस्ती का इनाम'

एक समय की बात है एक छोटे से गाँव में दो घनिष्ठ मित्र रहते थे — अर्जुन और भीमा। दोनों बचपन से साथ खेले, पढ़े और बड़े हुए थे। अर्जुन शांत और समझदार था, जबकि भीम ताकतवर और थोड़ा जल्दबाज़। मगर उनकी दोस्ती इतनी गहरी थी कि थरूर भी परिस्थिति उसे हिला नहीं सकती थी।

गाँव के पास एक घना जंगल था। एक दिन अर्जुन और भीम ने सोचा कि क्यों न जंगल में जाकर लकड़ियाँ इकट्ठी की जाएँ और बेचकर कुछ पैसे कमाए जाएँ। दोनों सुबह-सुबह अपनी कुल्हाड़ियाँ लेकर निकल पड़े। जंगल में पहुँचते ही दोनों ने मिलकर पेड़ों की सूखी डालियाँ काटनी शुरू कीं। लेकिन दोपहर के समय अचानक बादल छा गए और जोरदार बारिश शुरू हो गई। दोनों ने दौड़ते हुए अपने टूटे-पिड़े मॉटर में शरण ली। तभी वहाँ एक बूढ़ा साधु आया, जो पूरी तरह भीग चुका था। भीम ने मुँह फेर लिया, लेकिन अर्जुन ने अपना कंबल निकालकर साधु को ओढ़ा दिया और कुछ सूखी रोटियाँ खाने को दीं। साधु मुस्कराया और बोला, “तू तो मुझ जैसे अजनबी पर दया दिखाई। मैं कोई साधारण व्यक्ति नहीं, एक तपस्वी हूँ।

मैं तुम्हें एक वरदान देता हूँ — जब भी तुम संकट में फँसोगे, तुम्हारी सच्ची मित्रता तुम्हें बचाएगी। भीम ने हँसते हुए कहा, “वरदानों से क्या होगा? ताकत ही सब कुछ है!” साधु मुस्करते हुए चला गया। कुछ दिन बाद दोनों मित्र एक

अर्जुन मुस्कराया और बोला, “यही तो है सच्ची दोस्ती का इनाम — संकट के समय भी एक-दूसरे को याद रखना।” सच्ची मित्रता ताकत, दौलत या वरदान की मोहताज नहीं होती। संकट के समय जो साथ दे, वही सच्चा मित्र होता है।

लघुकथा	सोनल मते
--------	----------

'पैगाम'

गाँव के अंतिम छोर पर रहने वाला बुजुर्ग हरिदास रोज एक चिट्ठी लेकर डाकघर जाता था। डाकिया सुरेश उससे हर बार कहता, “बाबा, अब कौन चिट्ठी लिखता है? सब मोबाइल पर बात कर लेते हैं।” हरिदास बस मुस्कुरा कर कहता, “यह चिट्ठी खास है बेटा... इंतज़ार है जवाब का।” सालों बीत गए। एक दिन डाकघर बंद होने की कगार पर छोड़े एक चिट्ठी बाबा की कन्न पर मढ़ी जा आता है — “बाबा, अब कोई आपको भूलगा नहीं।”

संयुक्त बयान को आतंकवाद के मुद्दे से भटका कर चीन और पाकिस्तान ने संगठन की विश्वसनीयता व उद्देश्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जब कोई संगठन अपने ही मूल सिद्धांतों से पीछे हटने लगे, तो फिर उसका अंतरराष्ट्रीय कद और प्रभाव भी गिरने लगता है। संयुक्त बयान को आतंकवाद के मुद्दे से भटका कर चीन और पाकिस्तान ने संगठन की विश्वसनीयता व उद्देश्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जब कोई संगठन अपने ही मूल सिद्धांतों से पीछे हटने लगे, तो फिर उसका अंतरराष्ट्रीय कद और प्रभाव भी गिरने लगता है। एससीओ इसका शिकार न हो, इसके लिए दूसरे सदस्य देशों को चीन-पाकिस्तान की चालबाजियों को समझना होगा। इसका शिकार न हो, इसके लिए दूसरे सदस्य देशों को चीन-पाकिस्तान की चालबाजियों को समझना होगा।

प्रिया लड़ी

'चतुर लोमड़ी और प्यासा शेर'

बहुत पुरानी बात है। एक घना जंगल था जहाँ हर तरह के पशु-पक्षी चैन से रहते थे। उसी जंगल में एक बूढ़ा शेर रहता था। पहले वह बहुत ताकतवर था, शिकार करने में निपुण। लेकिन अब वह बूढ़ा हो गया था, और शिकार करने की ताकत उसमें नहीं बची थी। एक दिन शेर बहुत प्यासा हुआ। पानी की तलाश में वह जंगल के एक छोर तक गया, जहाँ एक कुआँ था। शेर जैसे ही कुएँ की ओर झुका, उसका पैर फिसला और वह कुएँ में गिर पड़ा। वह जोर-जोर से दहाड़ने लगा, मदद के लिए पुकारने लगा। उसी समय वहाँ एक चतुर लोमड़ी निकली। उसने कुएँ में झाँका और शेर को फँसा देखा। शेर ने कहा, “लोमड़ी बहन, मुझे बाहर निकालो। मैं वचन देता हूँ कि तुम्हें कोई नुकसान नहीं पहुँचाऊँगा।” लोमड़ी मुस्कराई और बोली, “महाराज, आप जंगल के राजा हैं, लेकिन राजा को तो सोच-समझकर चलना चाहिए।” शेर

कहानी	मीना पूरी
-------	-----------

'सच्ची दोस्ती का इनाम'



बार फिर जंगल गए। इस बार, अचानक एक तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। भीम घबरा गया और पेड़ पर चढ़ गया। लेकिन अर्जुन वहीं खड़ा रहा, क्योंकि वह भाग नहीं सकता था — उसका पैर फिसल गया था। तेंदुआ धीरे-धीरे उसके पास आया। अर्जुन ने आँखें बंद कर लीं और मन ही मन अपने दोस्त को पुकारा। तभी ऊपर से भीम चिल्लाया, “अर्जुन, झुको!” और उसने अपनी कुल्हाड़ी नीचे फेंकी।

अर्जुन ने फुर्ती से कुल्हाड़ी उठाई और तेंदुए को डरा दिया। तेंदुआ भाग गया। भीम नीचे आया और अर्जुन से लिपट कर रो पड़ा — “माफ कर दो

रोज़ भेजते हैं — शायद उनका दिल रख जाए। जब उसने चिट्ठी खोली, तो उसमें लिखा था: “प्यारे बेटे, जानता हूँ तू शहर जाकर बहुत व्यस्त है, पर तेरा इंतज़ार अब भी करता हूँ। हर दिन तुझे लिखता हूँ, ताकि तुझे याद रहे — तेरे पिता अब भी तुझसे मिलने की आस लगाए बैठे हैं।” सुरेश की आँखें भर आईं उसने तुरंत उस पते पर जाकर देखा — बाबा का बेटा कभी लौटकर नहीं आया था। अब सुरेश हर महीने एक चिट्ठी बाबा की कन्न पर मढ़ी जा आता है — “बाबा, अब कोई आपको भूलगा नहीं।”



गढ़चिरोली पुलिस बल और सीआरपीएफ ने माओवादी को रेकी करते हुए किया गिरफ्तार

> जो नवनिर्मित चौकी कवंडे जंगल क्षेत्र में घात लगाने के उद्देश्य से टोह ले रहा था
> डिप्टी कमांडर रैंक के एक खूंखार माओवादी को कवंडे जंगल क्षेत्र से राइफल के साथ गिरफ्तार किया गया
> वह जांभुलखेड़ा में 15 जवानों की मौत का कारण बने बारूदी सुरंग विस्फोट में भी सक्रिय रूप से शामिल था
> महाराष्ट्र सरकार ने उसकी गिरफ्तारी पर 06 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था

गढ़चिरोली.

गढ़चिरोली जिला माओवाद प्रभावित जिले के रूप में जाना जाता है। यहां माओवादी सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, सुरक्षा बल के जवानों पर हमला करने और आगजनी करके अन्य प्रकार के सरकारी काम में बाधा डालने जैसे राष्ट्र विरोधी कार्य कर रहे हैं। सुरक्षा बलों के खिलाफ कई हिंसक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल एक माओवादी को गढ़चिरोली पुलिस बल और सीआरपीएफ ने कल 27/06/2025 को गिरफ्तार किया।

गढ़चिरोली पुलिस बल के प्रभावी माओवादी विरोधी अभियान के कारण गढ़चिरोली पुलिस बल जनवरी 2022 से अब तक कुल 104 माओवादियों को गिरफ्तार करने में सफल रहा है। विस्तृत रिपोर्ट यह है कि कल 27/06/2025 को विशेष



अभियान दल की दो टीमों, पुलिस पोस्ट कवंडे और सी कंपनी 37 बटालियन की पुलिस टीम, भामरागढ़ उप-विभाग के अंतर्गत नव निर्मित पुलिस पोस्ट कवंडे सीमा के भीतर कवंडे वन क्षेत्र में दाखिल हुई। जब

सीआरपीएफ की एक टीम माओवादी विरोधी अभियान चला रही थी, तब उन्हें एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ मिला और टीम के जवानों ने उसे हिरासत में ले लिया। बाद में, जब उसे आगे की जांच के लिए गढ़चिरोली

स्थित पुलिस मुख्यालय लाया गया, तो उक्त व्यक्ति का नाम 1) अंकल उर्फ मन्नू सुलगे पल्लो (उप कमांडर, कोरची दलम), उम्र 28 वर्ष, कवंडे, तहसील भामरागढ़, जिला गढ़चिरोली का निवासी बताया गया।

यूनित में सेवा की अवधि

■ 2012 में, वह एनआईवी कंपनी में एक सदस्य के रूप में भर्ती हुआ और 2017 तक काम किया।
■ 2017 में, उसे भामरागढ़ यूनित में स्थानांतरित कर दिया गया और कुछ महीनों तक सदस्य के रूप में काम किया।
■ 2017 से 2020 तक, उसने कोरची यूनित में डिप्टी कमांडर के रूप में काम किया।
■ 2020 से आज तक, वह महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर कवंडे वन क्षेत्र में अपनी उपस्थिति छिपा रहा था और पुलिस से जानकारी प्राप्त करने का काम कर रहा था।

सरकार द्वारा घोषित इनाम...

■ महाराष्ट्र सरकार ने अंकल उर्फ मन्नू सुलगे पालो (डिप्टी कमांडर, कोरची दलम) पर 06 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

आगे की जांच के दौरान पता चला कि उक्त व्यक्ति पुलिस रिकॉर्ड में माओवादी है और घात लगाने के इरादे से उस इलाके की रेकी करने के लिए कवंडे जंगल क्षेत्र में घुसा था। साथ ही पुलिस जांच में पता चला कि उक्त माओवादी 01 मई 2019 को कुरखेड़ा अनुविभाग के अंतर्गत मौजा जांभुलखेड़ा जंगल क्षेत्र में हुए बारूदी सुरंग विस्फोट में 15 पुलिस कर्मियों की हत्या में सक्रिय रूप से शामिल था। माओवादी अंकल उर्फ मन्नू सुलगे पालो (डिप्टी कमांडर, कोरची दलम),

उम्र 28 वर्ष, निवासी कावंडे, तह. भामरागढ़, जिला. गढ़चिरोली को 29 मार्च 2021 को मौजा खोबरामेड़ा के वन क्षेत्र में पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ के सिलसिले में पोस्टे पुरादा से यूपी क्रमांक 11/2021 के तहत गिरफ्तार किया गया था। उसे माननीय प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट, कुरखेड़ा द्वारा 07 दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था। उस पर अब तक 05 मामले दर्ज हैं, जिनमें 03-मुठभेड़ और 2-हत्या के मामले शामिल हैं।

चिचडोह बैराज के गेट खोले जाएंगे, नागरिक सतर्क रहें : प्रशासन की अपील

गढ़चिरोली.

चामोशी तालुका में वैगंगा नदी पर बने चिचडोह बैराज के सभी गेट 30 जून 2025 को सुबह 8 बजे खोल



दिए जाएंगे। इससे नदी के तल में पानी छोड़ा जाएगा और नदी के किनारे के इलाकों में जलस्तर बढ़ने की संभावना है। इसके चलते प्रशासन ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। वैगंगा नदी पर बना चिचडोह बैराज चामोशी मुख्यालय से 5 किमी उत्तर और प्रसिद्ध मारकंडा तीर्थ स्थल से 4 किमी दूर स्थित है। जून 2018 में बनकर तैयार हुए इस बैराज की कुल लंबाई 691 मीटर है, जिसमें 15 मीटर x 9 मीटर आकार के 38 लोहे के गेट लगाए गए हैं, ये गेट 15 अक्टूबर 2024 से बंद रखे गए थे। वर्तमान में बैराज में जलस्तर 181.80 मीटर है तथा जल संग्रहण 38.57 मिलियन क्यूबिक मीटर है। तलोधी-मोकासा उपसा सिंचाई योजना के ट्रायल के लिए परियोजना का स्तर 181 मीटर पर बनाए रखा गया था। हालांकि, गोसांखुर्द बांध से 80 क्यूमेक्स छोड़ा जाएगा तथा जलग्रहण क्षेत्र में प्राकृतिक आवक के

कारण बैराज के जलस्तर में वृद्धि की संभावना है। इसलिए बैराज में संग्रहित जल को नियंत्रित करने के लिए 30 जून को सुबह 8 बजे डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में वर्टिकल गेट तथा नदी स्ट्रूइस के माध्यम से चरणों में 390.10 क्यूमेक्स का डिस्चार्ज छोड़ा जाएगा। इस दौरान नदी तटवर्ती क्षेत्रों में जलस्तर में वृद्धि की संभावना है तथा जान-माल की हानि से बचने के लिए चिचडोह बैराज के आसपास के सभी गांवों में अलर्ट जारी किया गया है। नागरिकों को नदी किनारे जाने से बचना चाहिए तथा खेतों में काम करते समय भी सावधानी बरतनी चाहिए। सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता राहुल मोघड़े ने तीर्थयात्रियों, नदी स्नानार्थियों, मछुआरों, रेत खननकर्ताओं, पशुपालकों तथा मारकंडा मंदिर क्षेत्र में नदी से यात्रा करने वालों से आवश्यक सावधानी बरतने तथा प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की है।

संविधान और लोकतंत्र की हत्या करने वाले कांग्रेसी रवैये को नष्ट करने का संकल्प लेना चाहिए

> 'संविधान हत्या दिवस' पर विधायक सुधीर मुनगंटीवार की जनता से अपील
> आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर 'संविधान हत्या दिवस' कार्यक्रम का आयोजन बल्लारपुर, सुनील तावडे



वर्षा सुनुवार, आरती अक्केवार आदि उपस्थित थे. इस अवसर पर चंद्रसिंह लेंजे, विनायक बोरकर, भजनदास अलमस्त, नामदेव चव्हे, मोरेश्वर डेकेरे, मनोहर सहारे, शोभा भोयर, उद्धव निकुरे जैसे आपातकाल सेनानियों का अभिनंदन किया गया। मुनगंटीवार ने प्रारंभ में कहा कि, "यह देश तीन बातों कभी नहीं भूलेगा: भोपाल गैस त्रासदी में हजारों लोगों की जान गई, दंगों में सिखों की जान गई और कांग्रेस द्वारा सत्ता में आने के लिए आपातकाल लगाया गया।"

मुनगंटीवार ने कहा कि, 'आपातकाल एक बुरा समय था। लेकिन मुझे खुशी है कि मेरा देश, मेरे क्षेत्र के लोग गिद्धों की धमकियों से नहीं डरते।' यदि आप देश से प्यार करते हैं, तो आपको हर पल यह कहना चाहिए... मैं रहूँ या न रहूँ, भारत रहना चाहिए', यह भावना प्रेरणादायक थी। स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने संविधान की हत्या करके आपातकाल की घोषणा की। संविधान के अनुसार, यदि राष्ट्र खतरे में है या युद्ध के कारण आंतरिक व्यवस्था बाधित है, तो आपातकाल लगाया जा सकता है। लेकिन, अगर किसी नेता ने आपातकाल के माध्यम से भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान का दुरुपयोग किया है, तो उस नेता का

नाम स्वर्गीय इंदिरा गांधी है।' देश में महंगाई बढ़ गई थी। भ्रष्टाचार बढ़ गया था। आम लोगों के मन में गुस्सा था। कई राज्य भंग हो गए थे। 1972 के बाद भारत में भुखमरी बढ़ गई थी। ऐसे तानाशाही माहौल में 12 जून 1975 को कोर्ट ने इंदिरा गांधी पर गलत तरीके से चुनाव लड़ने का आरोप लगाया। पैसे बांट दिए और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया गया, यह बात सामने आई। कोर्ट ने उनकी सदस्यता रद्द कर दी। इंदिरा गांधी सुप्रीम कोर्ट गईं। वे सदस्यता रद्द होने से बच गईं। हालांकि, संसद में उनके भाषण पर प्रतिबंध लगा दिए गए। इसी समय, स्वर्गीय जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में इंदिरा सरकार के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरने लगे। इंदिरा गांधी डरने लगीं। उन्होंने चुनाव स्थगित कर दिए। उनके खिलाफ कोई खबर आने पर पत्रकारों को गिरफ्तार किया जाने लगा। तानाशाही और अत्याचार की हदें पर हो गईं। 'स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने पूरे देश को कैद कर लिया था': विरोधी पक्ष नेता अटलबिहारी वाजपेयी, आडवाणी और जॉर्ज फर्नांडीस की क्या गलती थी ? वे वंदे मातरम और मन्सरे सदा वत्सले का नारा लगाते हुए सड़कों पर उतर आए। इसमें क्या गलती थी ?

उन्हें जेल में डाल दिया गया और देश के अधिकारों को छीन लिया गया। यह सब सिर्फ एक व्यक्ति के पद और स्वार्थ के लिए हो रहा था। पूरा देश जेल में डाल दिया गया क्योंकि न्यायपालिका ने इंदिराजी के खिलाफ फैसला दिया। हजारों लोगों ने तिरंगे के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी। लेकिन इंदिरा गांधी ने शहीदों का अपमान किया। लेकिन जो देश अपने इतिहास की गलतियों को भूल जाता है, वह कभी आगे नहीं बढ़ता। इसलिए गलतियों को याद रखना चाहिए और जिन्होंने गलतियों की हैं, उन्हें नहीं भूलना चाहिए।

'कौन चले भाई कौन चले... भारत माँ के लाल चले': आपातकाल के दौरान मेरे पिताजी जेल में थे। मेरी उम्र 12 साल थी। हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी थी। लेकिन आपातकाल के दौरान कई लोग जेल में थे, जिनके घरों की स्थिति अच्छी नहीं थी। मेरी माँ ने उनके परिवारों की मदद करने के संस्कार दिए।

जब हम पिताजी से मिलने नागपुर जाते थे, तो हमें बात करने के लिए केवल दस मिनट का समय दिया जाता था। यह नहीं पता था कि हमें कब तक जेल में रहना पड़ेगा।

हजा रों परिवार इस स्थिति का सामना कर रहे थे। लेकिन उसके बाद, जब लोग जेल से बाहर निकले, तो मुझे आज भी याद है कि जटपुरा गेट के कार्यक्रम में 'कौन चले भाई कौन चले...भारत माँ के लाल चले', 'वंदे मातरम', 'भारत माता की जय' के नारे, इन शब्दों में मुनगंटीवार ने अपनी यादें ताज़ा कर दीं।

वन भूमि पर मकान बनने की अफवाहों पर विराम लगा

> विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की
> वन भूमि पर बने मकानों का सच सामने आया
चंद्रपुर.



बल्लारपुर के रवींद्र नगर, मौलाना आजाद वार्ड, पं. दीनदयाल वार्ड और डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्ड के नागरिक पिछले 30-40 वर्षों से वहां रह रहे हैं। हालांकि, कुछ लोग जानबूझकर अफवाह फैला रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के नाम पर इस क्षेत्र में अतिक्रमण हटा दिया जाएगा। इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। नागरिकों के हितों की रक्षा करना मेरी नैतिक जिम्मेदारी है और मैं उनके साथ मजबूती से खड़ा हूँ। पूर्व वन, सांस्कृतिक मामलों और मत्स्य पालन राज्य मंत्री विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने

किसी भी अफवाह पर विश्वास न करने की अपील की। वे बल्लारपुर स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में वन भूमि पर मकानों के संबंध में फैली अफवाहों पर स्पष्टीकरण मांगने के लिए आयोजित बैठक के अवसर पर बोल रहे थे। बैठक में वरिष्ठ भाजपा नेता चंदनसिंह चंदेल, भाजपा जिला अध्यक्ष हरीश शर्मा, अतिरिक्त जिलाधिकारी, उपविभागीय अधिकारी अजय चरडे, भाजपा के कार्शोनाथ सिंह, तहसीलदार रेणुका कोकाटे, सार्वजनिक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता मुकेश तांगले, बल्लारपुर नगर परिषद के

मुख्य अधिकारी विशाल वाघ आदि उपस्थित थे। विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि नागरिकों ने एक-एक करके पैसे जमा करके घर बनाए हैं। एक तरफ सरकार बेघरों को घर देने का काम कर रही है, वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं और झूठी तस्वीर बना रहे हैं कि बल्लारपुर के चार वार्डों के निवासियों को बेदखल किया जाएगा। कई नागरिक पिछले कई सालों से नजूल, वेकोलि और वन विभाग की जमीन पर रह रहे हैं। इन नागरिकों को पट्टे देने की योजना बनाई जा रही है और अब तक 4,442 संपत्तियों की पहचान की गई है। आने वाले दिनों में यहां के नागरिकों को पट्टे देने की प्रक्रिया को अमल में लाया जाएगा। इस संबंध में मांग केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्रजी यादव के समक्ष भी रखी जाएगी। विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि, "अफवाहें फैलाना और नागरिकों में भय पैदा करना गलत है और किसी को भी ऐसी अफवाहों पर विश्वास नहीं करना चाहिए।

नशीले पदार्थों की तस्करी और सेवन के विभिन्न आरोपियों के खिलाफ गढ़चिरोली पुलिस ने की कार्रवाई

गढ़चिरोली.

जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए आज 26/06/2025 को विश्व मादक पदार्थ विरोधी दिवस के अवसर पर गढ़चिरोली पुलिस अधीक्षक ने गढ़चिरोली शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से मादक पदार्थों की बिक्री और सेवन करने वालों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू करने और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। तदनुसार, पिछले सप्ताह में पुलिस स्टेशन, गढ़चिरोली के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुलिस स्टेशन, गढ़चिरोली में एनडीपीएस एक्ट-1985 के तहत दर्ज अपराधों के आरोपियों का पता लगाने और अवैध रूप से गांजा बेचने और आपूर्ति करने वाले लोगों का पता लगाने के लिए कार्रवाई की है। विस्तृत रिपोर्ट यह है कि 17/04/2025 को, एक अज्ञात दोपहिया सवार पुलिस स्टेशन गढ़चिरोली की सीमा में इंदिरानगर चेक पोस्ट के पास ड्रग्स ले जा रहा था, जब उक्त दोपहिया सवार अपने वाहन से फिसल गया और

वाहन से गिर गया। उस समय, पुलिस टीम को घटनास्थल पर 9500/- रुपये की कीमत की 472 ग्राम ड्रग्स मिली। जब गोपनीय मुखबिरों और सीसीटीवी फुटेज की मदद से अज्ञात आरोपी की तलाश की गई, तो पता चला कि उक्त अज्ञात व्यक्ति 17 वर्षीय नाबालिग है। आगे की जांच के दौरान, जब उक्त नाबालिग से उक्त मादक पदार्थों के बारे में और पूछताछ की गई, तो उसने बताया कि मादक पदार्थों का आपूर्तिकर्ता वनमाली लहानू जंगठे, उम्र 46 वर्ष, कोसरी, तहसील आरमोरी, जिला गढ़चिरोली का निवासी है। इस पर पुलिस टीम ने पंच की उपस्थिति में वनमाली लहानू जंगठे के घर की तलाशी ली, घर की तलाशी के दौरान 01 किलो 476 ग्राम गांजा/मादक पदार्थ कीमती 34,500/- रुपये जब्त किया गया है। इस पर आरोपी वनमाली लहानू जंगठे, उम्र 46, निवासी कोसरी, ताल. आरमोरी, जिला. गढ़चिरोली को गढ़चिरोली पुलिस

ने 23/06/2025 को गिरफ्तार किया है। साथ ही पोस्ट गढ़चिरोली में 19/05/2025 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8 सी 20 बी के तहत मामला क्रमांक 316/2025 दर्ज किया गया। मामला दर्ज होने के बाद से ही उक्त मामले का संदिग्ध फरार था। हालांकि, पुलिस स्टेशन गढ़चिरोली के अधिकारियों और अनमलदार ने अपने जांच कौशल का उपयोग करते हुए, साखरा तालुका और जिला गढ़चिरोली निवासी बालाजी अंबादास रामटेके नामक संदिग्ध को 23/06/2025 को गिरफ्तार किया।

इसके साथ ही, वर्ष 2025 में पुलिस स्टेशन गढ़चिरोली में अवैध रूप से गांजा बेचने के आरोप में कुल 05 मामले दर्ज किए गए हैं और इसमें 07 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और कुल दो लाख रुपये का मादक पदार्थ जब्त किया गया है। साथ ही, मादक पदार्थों का सेवन करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

EXPERIENCE THE THRILL of Jungle

Duration:
1N/2D in Tadoba

Meal Plan-
All meals (Breakfast, Lunch Dinner Hi Tea)

Including- Gypsy 1 Round (Pick up drop Resort to Resort) Gypsy Subject to Availability

© 8308378686 | 77220 24512 | domestic@btpyatra.com

www.btpyatra.com

T & C apply

जिसने की शेफाली जरीवाला की मौत की भविष्यवाणी

निधन के बाद वो ऐसे तड़प रहा

कहते हैं जिंदगी और मौत किसी के हाथ में नहीं. आए दिन होने वाली घटनाएं ये बात साबित भी करती रहती हैं. कई बार लोग लंबी बीमारी के बीद इस दुनिया को छोड़ते हैं, लेकिन कई बार ऐसा अचानक जब किसी का निधन होता है तो हर कोई हैरान रह जाता है. एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की मौत के मामले में भी कुछ ऐसा ही हुआ. एक्ट्रेस 42 साल की थीं और बेहद फिट भी थीं. लेकिन कुछ महीने पहले एक पॉडकास्ट में पूर्व बिग बॉस कंटेस्टेंट पारस छाबड़ा ने उनके आकस्मिक निधन की भविष्यवाणी की थी. अब जब शेफाली नहीं रहीं तो पारस का दिल बैठ गया है. वो उनके जाने से बेहद दुखी हैं.

पारस छाबड़ा सलमान खान के शो बिग बॉस 13 में फाइनलिस्ट बने थे. उसी सीजन में शेफाली भी वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट बनकर शो में पहुंची थीं. दोनों की दोस्ती वहीं से हुई. कुछ महीने पहले की बात है. शेफाली पारस छाबड़ा के यूट्यूब पॉडकास्ट आबरा का डाबरा में दिखाई दी थीं. उस दौरान पारस ने शेफाली की कुंडली देखने का दावा किया था और उसी के हवासे से उन्होंने सडन डेथ यानी आकस्मिक निधन की बात बोली थी.

पॉडकास्ट का एक क्लिप अब वायरल हो रहा है. इसमें पारस कहते हैं, "मैंने आपकी कुंडली देखी. आपके 8th हाउस में चंद्र, केतु और बुध, ये तीनों बैठे हुए हैं. तो चंद्र और केतु का जो कॉम्बिनेशन होता है वो सबसे बुरा होता है. चंद्र क्या है मन, केतु क्या है? उसके पास सिर ही नहीं है, उसके पास शरीर है. वो दोनों जब एक साथ बैठते हैं न तो ये सबसे गंदा कॉम्बिनेशन है. और 8th हाउस 'नुकसान' के लिए होता है. आकस्मिक मौत, मशहूर होना भी भी, छुपी हुई चीजें, त्रांजिक चीजें. आपका चंद्र और केतु का तो बुरा है ही, साथ में बुध भी बैठ गया है. चंद्र और बुध की एक साथ बिल्कुल भी नहीं बनती है. अगर चंद्र और बुध आमने सामने भी बैठ जाते हैं, तो भी वो बहुत ज्यादा एंजाइटी कराते हैं. एक साथ बैठ जाएं तो वो बहुत ज्यादा न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम दे सकते हैं.

पारस और शेफाली काफी अच्छे दोस्त थे. शेफाली के पति पराग त्यागी को पारस भाई कहते हैं. अब शेफाली के गुजर जाने पर उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो शेफाली के घर पर दिखाई दे रहे हैं. इसे शेयर करते हुए पारस ने लिखा, "अगला साल अब कभी नहीं आएगा." वीडियो में शेफाली पारस से गणपित से मन्तव मांगने को कह रही हैं और वो कहती हैं कि तुझे जो मांगना है मांग, अगले साल जब तू आ जाएगा तो मैं समझ जाऊंगी की तूने जो मांगा था वो पूरा हो गया.

55 की उम्र में रवि किशन ने दिखाई फिट बॉडी

अजय देवगन की 'सन ऑफ सरदार 2' में इस बार कई नए चेहरे दिखने वाले हैं. जिनमें से एक हैं भोजपुरी स्टार रवि किशन. अपने अभिनय से फैन्स के दिलों पर राज करने वाले एक्टर पंजाबी लुक में दिखने वाले हैं. उनका फिल्म में नाम है- राजा. अपने नए लुक में एक्टर काफी जच रहे हैं. यूं तो वो अपनी एक्टिंग से हर सीन को बेहतरीन बना देते हैं. पर हर कोई उनकी इस फिल्म के लिए एक्साइटड है. 55 साल के रवि किशन सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि फिटनेस से भी हर किसी को तगड़ी टक्कर दे रहे हैं. सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले एक्टर ने हाल ही में अपना इंस्टाग्राम सेशन की तस्वीरें शेयर की थी. जिसमें वो गजब के फिटनेस गोल्स देते दिख रहे हैं. हालांकि, रवि किशन की फिटनेस देखकर हर कोई सलमान खान को याद करने लगा है. दरअसल लोगों का कहना है कि वो भाईजान की



तरह लग रहे हैं. उनकी बॉडी, फिटनेस और चेहरा भी एक जैसा लग रहा है. कुछ लोगों ने कमेंट करते हुए लिखा कि- "रियल आईडी से आओ सलमान खान." तो कुछ लिखते हैं कि- "अरे सलमान पाजी की तरह हो." रवि किशन को लगातार बॉलीवुड फिल्मों के ऑफर मिल रहे हैं. कुछ वक्त पहले वो बॉबी देओल की डाकू महाराज में दिखे थे. हालांकि, साल 2014 उनके लिए जबरदस्त रहा. जब लापता लेडीज में पुलिस वाले के रोल में उन्होंने हर किसी का दिल जीत लिया. उसके अलावा सिंघम अगेन में होम मिनिस्टर का किरदार निभाया था. रवि किशन सिर्फ फिटनेस ही नहीं, बल्कि अपने स्टायल से भी खूब चर्चा में रहते हैं. उनका फैशन सेंस लोगों को काफी पसंद आता है. खासकर एक्टर तो बिहार के लोगों के दिल में बसते हैं, वहां की जनता से खूब प्यार मिलता है. रवि किशन को इंस्टाग्राम पर 3 मिलियन लोग फॉलो करते हैं.

खुशी मुखर्जी पर फिर भड़कीं फलक नाम

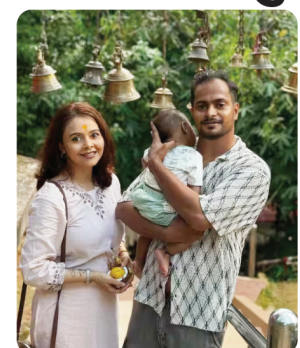
पिछले कुछ वक्त से खुशी मुखर्जी का नाम सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा सुर्खियों में है, हालांकि इसकी वजह उनका कोई प्रोजेक्ट नहीं बल्कि उनकी रिवीलिंग अउटफिट है. अक्सर ही खुशी की फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती है, लेकिन लोगों के बीच उन्हें लेकर ज्यादा चर्चा तब होने लगी जब पैपराजी के सामने एक आदमी ने उनके कपड़े को लेकर कमेंट कर के चला गया. हालांकि, खुशी की इस तरह की ड्रेस पर बिग बॉस ओटीटी फेम फलक नाज ने भी बिना उनका नाम लिए एक वीडियो पोस्ट की थी.

फलक नाज का वीडियो सामने आने के बाद खुशी ने भी एक पॉडकास्ट में उन्हें बुरा भला कहा था. हालांकि, एक बार फिर फलक ने खुशी के कपड़ों को लेकर कमेंट किया है. साथ ही उन्होंने सरकार से सवाल भी किया है. हाल ही में खुशी ने लैक कलर की काफी रिवीलिंग ड्रेस पहनी. जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस वीडियो में वो खुशी पैपराजी के सामने हवा के चलते अपने प्राइवेट पार्ट छिपाते नजर आ रही थी. फलक ने पैपराजी को उनकी कवर करने को भी लेकर भड़की है. फलक ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की है. उन्होंने वीडियो में इनडायरेक्ट तरीके से सड़कों पर स्ट्रेट्स को खाना खिलाने और खुशी के इस तरह से नजर आने को कपेयर किया है. फलक ने खुशी का नाम डायरेक्ट नहीं लिया, लेकिन उन्होंने कहा, "पिछली बार जैसा कि आप सबको याद होगा कि मैंने दीदी के ऊपर एक वीडियो बनाया था. अब यहां पर न बात दीदी से बहुत ज्यादा आगे जा चुकी है."

अब किसी एक्सवाइज्ड इंसान को लेकर नहीं है. ये कुछ ऐसी चीज है. जो मैं सरकार से पूछना चाहती हूं. जो मुझे जानना है वो यो है कि स्ट्रेट्स पर इतना उधम मच जाता है कि जुर्माना है, हम उन्हें खाना नहीं खिला सकते. 50 चीजें हो जाती हैं. लोग सवाल उठाते हैं. मुझे ये समझाइए. प्लीज समझाइए कि इस तरह से सड़क पर ऐसे कपड़े आज जो वीडियो वायरल हो रहा है, आज दीदी क्या पहनकर निकली हैं. अब ये बात दीदी के बारे में नहीं है. अब ये कुछ ऐसा है जो एक्सेप्ट करने के काबिल नहीं है. फलक ने सोसाइटी के बारे में बात करते हुए कहा कि अगर आप सोसाइटी में रह रहे हैं, इस तरह का कुछ पहनकर सड़क पर निकल रहे हैं, तो सरकार उस पर ऐतराज क्यों नहीं कर रही है? ऐसी मीडिया पर जो इन्हें कवर कर रही है और ऐसे लोगों पर जो कवर हो रहे हैं, इन पर कोई जुर्माना क्यों नहीं है? मुझे ये जानना है. तो जितने लोग यहां बैठे हुए हैं.



पति शहनवाज के साथ शिव मंदिर पहुंची देवोलीना



एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्य अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं. उन्होंने मुस्लिम शांख से शादी की है. उनके पति का नाम

शहनवाज शेख है. अब देवोलीना पति शहनवाज शेख के साथ असम में घूम रही हैं. वो लगातार फोटोज और वीडियो शेयर कर रही हैं. एक्ट्रेस मुस्लिम पति को लेकर शिव मंदिर गई हैं. देवोलीना ने मंदिर के कई फोटोज शेयर किए हैं. पोस्ट के कैप्शन में देवोलीना ने लिखा- गुवाहाटी में प्रकृति की गोद में बसे भगवान शिव के मंदिर भीमाशंकर धाम की यात्रा करके धन्य हो गई. ये पवित्र ज्योतिर्लिंग न केवल एक आध्यात्मिक खजाना है, बल्कि हमारे आसपास की एनर्जी की याद भी दिलाता है.

अक्षय कुमार ने फिर शिव बनकर मचाया तहलका



तीसरे हैं. 'कन्नप्पा' ने तीसरे दिन अब तक (दोपहर 3 बजे तक) कुल 2.74 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है. इसी के साथ भारत में फिल्म ने 18.93 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. ये माइथोलॉजिकल फिल्म का सामना बॉक्स ऑफिस पर काजोल की हॉरर फिल्म 'मा' से हुआ था. कलेक्शन के मामले में 'कन्नप्पा' इस हॉरर फिल्म को लगातार शिकस्त दे रही है.

साउथ एक्टर विष्णु 'मा' चू की फिल्म 'कन्नप्पा' का जादू सिनेमाघरों में चल गया है. ये मल्टी स्टारर माइथोलॉजिकल फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जमकर नोट छाप रही है. 27 जून, 2025 को थिएटर्स में आई फिल्म 'कन्नप्पा' की रिलीज हुए अब तीन दिन हो गए हैं. इन तीन दिनों में फिल्म ने शानदार कलेक्शन कर लिया है. 'कन्नप्पा' महज तीन दिन के कलेक्शन के साथ बॉक्स ऑफिस पर 20 करोड़ का आंकड़ा पार करने के करीब है. सैकनलिक की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 9.35 करोड़ रुपए कमाए थे. वहीं दूसरे दिन भी विष्णु 'मा' चू और अक्षय कुमार की फिल्म ने 6.84 करोड़ रुपए का कारोबार किया था. अब 'कन्नप्पा' के दिन के शुरुआती आंकड़े सामने आ गए हैं. 'कन्नप्पा' ने तीसरे दिन अब तक (दोपहर 3 बजे तक) कुल 2.74 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है. इसी के साथ भारत में फिल्म ने 18.93 करोड़ रुपए कमा लिए हैं. ये माइथोलॉजिकल फिल्म का सामना बॉक्स ऑफिस पर काजोल की हॉरर फिल्म 'मा' से हुआ था. कलेक्शन के मामले में 'कन्नप्पा' इस हॉरर फिल्म को लगातार शिकस्त दे रही है.

साउथ से बॉलीवुड तक धमाल !

रश्मिका बनीं 3524 करोड़ क्लब की क्वीन

साउथ फिल्म इंडस्ट्री से पिछले कुछ समय में कई कलाकारों ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है. इसमें पुष्पा फिल्म में श्रीवल्ली का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का नाम भी शामिल है. अब एक्ट्रेस हिंदी ऑडियंस के सामने लीड रोल में आने जा रही हैं. हाल ही में उनकी फिल्म मायसा का पोस्टर रिलीज किया गया है. इसमें उनका लुक काफी इंटेंस लग रहा है. एक्ट्रेस बॉलीवुड के लिए काफी लकी भी रही हैं. उनकी बैक टू बैक 3 फिल्मों में तगड़ी कमाई की और ब्लॉकबस्टर रही. लेकिन सलमान खान के साथ आई उनकी पिछली फिल्म कोई खास कमाल नहीं कर सकी. ऐसे में एक्ट्रेस अब सोलो लीड में आने की तैयारी में हैं. मतलब कि फिल्म का सारा भार उनके कंधे पर होगा

रश्मिका की पहचान दुनियाभर में पुष्पा फिल्म के जरिए शुरू हुई. इसके पहले वे साउथ इंडस्ट्री का नामी चेहरा थीं लेकिन हिंदी ऑडियंस के बीच उतनी पहचान नहीं है. मगर पुष्पा के बाद तो वे वर्ल्ड फेमस हो गईं. बॉलीवुड में तो जैसे उन्हें जैकपॉट ही लग गया. उन्हें छावा, पुष्पा 2 और एनिमल जैसी फिल्मों में अहम रोल मिला और ये फिल्में बैक टू बैक सुपरहिट रहीं. इन तीनों फिल्मों ने मिलकर 3524 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर डाला. मतलब रश्मिका के कदम बॉलीवुड में शुभ रहे हैं. अभी तक तो एक्ट्रेस ने जो फिल्म की उस एक्टर का भी फायदा कराया और उस डायरेक्टर का भी. प्रोड्यूसर भी मालामाल हुए. लेकिन इसमें किसी भी फिल्म में उनका योगदान बहुत बढ़चढ़ कर नहीं था. उनका स्क्रीन प्रजेंस भी कम था.

सलमान खान के साथ आई उनकी पिछली फिल्म डिजार्स्टर साबित रही थी. ऐसे में एक्ट्रेस को अपना पुराना रिदम वापिस पाना होगा. अब उनके करोड़ों फैस उनकी फिल्म की रिलीज के इंतजार में रहते हैं. मायसा फिल्म का सारा दारोमदार रश्मिका के कंधे पर होगा. फिल्म में सभी की निगाह उन्हीं पर टिकी होगी. पहली बार उनके पास अपने दम पर फिल्म हिट कराने का मौका है. फिल्म के पोस्टर को तो पॉजिटिव रिसर्पोन्स मिल रहा है साथ ही इस फिल्म को देखने की फैस की बेचैनी भी बढ़ गई है. रश्मिका के लिए ये अनुभव बहुत ही नया होने वाला है. वे एक पैर इंडिया फिल्म में लीड रोल करने जा रही है जो 5 भाषाओं में रिलीज होगी.



अमिताभ बच्चन ने किंग पर क्या बताया?

साल 2023, जो शाहरुख खान के नाम रहा. एक के बाद एक 3 फिल्मों से बॉक्स ऑफिस हिलाकर रख दिया. अब बारी है उनकी वापसी की. किंग से शाहरुख खान की वापसी होगी, जिससे अगले साल यानी 2026 में धमाल मचाएंगे. इस फिल्म से उनकी बेटी सुहाना खान थिएट्रिकल डेब्यू करने जा रही हैं. हालांकि, इस फिल्म में कई बड़े सितारे दिखने वाले हैं, जिसमें रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, दीपिका पादकोण, जयदीप अहलावत और अनिल कपूर भी शामिल हैं. हालांकि, फिल्म की शूटिंग काफी वक्त पहले ही शुरू हो चुकी है. अब अमिताभ बच्चन ने बेटे की फिल्म पर अबतक का सबसे बड़ा अपडेट दे दिया है. अभिषेक बच्चन जब शाहरुख खान की फिल्म के लिए चुने गए थे, उस वक्त भी बिग बी ने ही खबर कंफर्म की थी. यूं तो यह फिल्म अभिषेक बच्चन के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है. दरअसल वो फिल्म में विलेन बन रहे हैं. अब उनकी फिल्म के लिए कैसी तैयारी चल रही है? एक बार फिर पिता ने सबकुछ बता दिया है. अमिताभ बच्चन ने लिखा कि- "टी 5425- कुछ ही दिनों में, रिलीज होने वाली है और एक नई फिल्म की शुरुआत हो



गई है. पहला दिन फिल्म 'किंग' की शूटिंग. मेरा आशीर्वाद भाइयो, लव एंड मोर. और एक और फिल्म की शूटिंग कंप्लीट और तैयार एंड कमिंग सून, मेरी दुआ." बिग बी ने अभिषेक बच्चन की फिल्मों को लेकर यह एक्स पर ट्वीट कर दिया है. अब लोग इस ट्वीट पर उनसे मजे लेते नजर आ रहे हैं. किसी ने कमेंट करते हुए लिखा कि- भैया को बधाई, तो दूसरा लिखता है- सबकुछ बता देना सर कुछ छोड़ मत देना. एक यूजर ने तो लिखा- "वहां मेकर्स छिपा रहे हैं, यहां आप बता रहे हो, देख लो शाहरुख भाई". अमिताभ बच्चन शुरुआत से ही बेटे को काफी सपोर्ट करते रहे हैं. उनके लिए खुलकर पोस्ट करते हैं. और अच्छी फिल्म न चलने पर लोगों को सुनाते भी हैं. अभिषेक बच्चन का करियर प्लॉप ही रहा है. उनकी पिछली फिल्म भी कुछ खास कमाल नहीं कर पाई थी. हालांकि, इन प्लॉप फिल्मों में उन्होंने अच्छा काम किया था. फिल्मों से ज्यादा अभिषेक बच्चन अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहे हैं. अक्सर पत्नी ऐश्वर्या राय संग तलाक की अफवाहें उड़ती रही हैं. हालांकि, एक्ट्रेस ने खुलकर इस पर कभी कुछ नहीं कहा. वहीं अभिषेक बच्चन का नाम एक एक्ट्रेस संग जुड़ा था.

स्मिथ का खुलासा: आक्रामक रणनीति से जीता पहला मैच

लंडन. हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने इंडिया के खिलाफ 5 विकेट से जीत दर्ज की थी. इस मैच में इंग्लैंड की ओर से सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जीत दिलाई थी. पहला मैच जीतने के बाद इंग्लिश विकेटकीपर-बल्लेबाज जेमी स्मिथ ने अपनी टीम की एक खास योजना को लेकर बड़ा खुलासा किया है. जेमी स्मिथ ने बताया कि वो और उनकी टीम भारत के खिलाफ आक्रामक क्रिकेट खेलना चाह रही थी और उन्होंने वैसा ही प्रदर्शन किया. इस मैच में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए इंडिया के गेंदबाजों के ऊपर दबाव बनाया था.

इंग्लैंड की योजना भारत पर पड़ी भारी

द डेली मेल के मुताबिक स्मिथ ने कहा, 'हम लोगों ने काफी कंट्रोल के साथ क्रिकेट खेला और भारत को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया. टीम के लिए थोड़ा आक्रामक होना बहुत ही जरूरी है. एक बार आप



टॉप पर आ जाएंगे तो विरोधी टीम के ऊपर दबाव डाल सकते हैं. एक (क्रिकेट) साइकल के दौरान कोर शुप के खिलाड़ियों को एक साथ रखना और उन पर भरोसा बनाए रखने का ये नतीजा है.” स्मिथ ने टीम के तरीके

के बारे में आगे कहा, ‘अब सभी काफी मैच्योर हो गए हैं और वो जानते हैं कि कैसे अपनी लिमिट को पुश करके वो क्या कर सकते हैं. हमने पिछले तीन सालों में कुछ बहुत ही खास चीजें देखी हैं,

एक दिन में 500 रन बनाना और इन टारगेट का पीछा करना उन लोगों के लिए अविश्वसनीय रूप से सुखद और खास रहा है, जो दिखाता है कि क्या किया जा सकता है. ये इस बात का एक बेहतरीन उदाहरण है कि टीम

कहां पहुंच गई है कि हमने भारत को कोई मौका नहीं दिया.’

इंग्लैंड ने आसानी से चेज किया था 372 रन का लक्ष्य

इस मैच को जीतने के लिए इंग्लैंड को 372 रन की जरूरत थी. टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 149 रन की मैच विनिंग पारी खेली.

बेन डकेट के अलावा जैक क्रॉली ने 65 रन बनाए जबकि जो रूट ने 53 (नॉट आउट) रन का योगदान दिया. जेमी स्मिथ की बात की जाए तो उन्होंने 44 रन (नॉट आउट) बनाए. कप्तान बेन स्टोक्स ने 33 रन की पारी खेली. टीम इंडिया की ओर से जसप्रीत बुमराह ने पहले पारी में 5 विकेट झटकते थे लेकिन दूसरी इनिंग में वो अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे. इस जीत के साथ इंग्लैंड ने 5 मैच की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है. अब इन दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से शुरू हो रहा है.

38 वर्षीय बल्लेबाज़ ने जड़ा शतक, साउथ अफ्रीका पर बनाई बढ़त

ज़िम्बाब्वे. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन साउथ अफ्रीका इस समय जिम्बाब्वे के दौरे पर है. दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है. सीरीज का पहला मैच बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में हो रहा है. इस मुकाबले जिम्बाब्वे के 38 साल के एक अनुभवी खिलाड़ी ने शतकीय पारी खेलकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. ये खिलाड़ी साउथ अफ्रीका की टीम पर पारी पड़ा और अपनी टीम के लिए एक अहम पारी खेलने में कामयाब रहा.

इस मुकाबले में जिम्बाब्वे के अनुभवी बल्लेबाज शॉन विलियम्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक तेज तर्रार शतक जड़ने का कारनामा किया है. 38 साल के विलियम्स ने 122 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 100 रन पूरे किए. उन्होंने अपनी इस पारी से जिम्बाब्वे की टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस टेस्ट में बनाए रखा है. यह उनके

टेस्ट करियर का छठा शतक है और इस पारी ने एक बार फिर उनकी काबिलियत को साबित किया है.



शॉन विलियम्स के टेस्ट करियर का ये 21वां मैच है और वह साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरी बार टेस्ट मैच खेल रहे हैं. इससे पहले वह अफगानिस्तान के खिलाफ 3 और न्यूज़ीलैंड के

खिलाफ 1 टेस्ट शतक लगा चुके हैं. शॉन विलियम्स जिम्बाब्वे के सबसे सीनियर खिलाड़ियों में से एक हैं. वह जिम्बाब्वे के लिए 162 वनडे और 81 टी20 मैच भी खेल चुके हैं. वनडे में उन्होंने 8 शतक और टी20 में जिम्बाब्वे के लिए 11 अर्धशतक भी लगाए हैं.

शॉन विलियम्स लंबे समय से जिम्बाब्वे क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक रहे हैं. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 2005 में अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की थी और तब से वह जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी की रीढ़ रहे हैं. टेस्ट क्रिकेट में उनका यह छठा शतक उनकी निरंतरता और बड़े मौकों पर प्रदर्शन करने की क्षमता को दर्शाता है. इसके अलावा, वह अपनी उपयोगी स्पिन

गेंदबाजी के लिए भी जाने जाते हैं, जिससे वह एक ऑलराउंडर के रूप में टीम के लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं. वह जिम्बाब्वे टीम के कप्तान भी रह चुके हैं.

भारत की धमाकेदार शुरुआत इंग्लैंड को 97 रन से हराया



लंडन. भारत की महिला क्रिकेट टीम ने पहली बाजी मार ली है. उसने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में 97 रन से बड़ी जीत दर्ज की. इसी के साथ सीरीज में 1-0 की बढ़त भी बना ली. भारत की इस जीत में शतक जमाने वाली स्मृति मंधाना को छोड़ रही. मगर 718 दिन बाद टी20 क्रिकेट की इंटरनेशनल पिच पर लौटने वाली हरलीन देओल को कोई कैसे भूल सकता है. जिस मैच में स्मृति मंधाना ने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर का पहला शतक जड़ा, उसी में हरलीन देओल ने इंग्लैंड के खिलाफ अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया है.

गिल से लिए बैटिंग टिप्स आए काम

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज हरलीन देओल ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपनी वापसी को यादगार बना दिया. इंग्लैंड के खिलाफ हरलीन ने अपनी बल्लेबाजी का जलवा बिखेरते हुए 23 गेंदों में 43 रनों की शानदार पारी खेली. इस पारी में उन्होंने 7 चौके जड़े और 186.95 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए. उनकी इस विस्फोटक पारी ने न केवल भारतीय टीम को मजबूत शुरुआत दी, बल्कि फैस के बीच भी खूब सुर्खियां बटोरीं. हरलीन की इस

पारी का एक खास पहलू रहा उनकी और स्मृति मंधाना के बीच दूसरे विकेट के लिए 94 रनों की साझेदारी. हरलीन

की इस शानदार पारी के बाद सोशल मीडिया पर उनका एक पुराना वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. यह वीडियो आईपीएल 2024 के दौरान का है,

जिसमें हरलीन को स्टार क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ प्रैक्टिस सेशन के दौरान बल्लेबाजी पर चर्चा करते देखा गया था. इस दौरान हरलीन ने शुभमन से बल्लेबाजी के कुछ टिप्स लिए थे. इसके बाद से ही हरलीन के प्रदर्शन में निरंतर सुधार देखने को मिल रहा है. चाहे वह उनकी बल्लेबाजी तकनीक हो या मैदान पर आत्मविश्वास, हरलीन ने हर पहलू में खुद को बेहतर बनाया है.

हरलीन देओल को मिला फायदा

शुभमन गिल के साथ बातचीत के बाद ये उनका पहला टी20I मैच था. इसके अलावा वह 14 वनडे मैच भी खेल चुकी हैं. इन वनडे मैचों में उन्होंने 39.30 की औसत से 511 रन बनाए हैं, जिसमें 1 शतक शामिल है. उन्होंने ये शतकीय पारी वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली थी, जो उनके करियर का इकलौता शतक भी है.

पूर्व क्रिकेटर वेन लार्किन्स का 71 वर्ष की उम्र में निधन

लंडन. टीम इंडिया इस समय इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट सीरीज खेल रही है. इन दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट हेडिंग्ले में खेला गया था जिसको इंग्लैंड ने अपने नाम किया था. अब इन दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से शुरू हो रहा है. हालांकि दूसरे टेस्ट मैच के शुरू होने से पहले इंग्लैंड से एक बुरी खबर सामने आ रही है. टीम के दिग्गज खिलाड़ी का निधन हो गया है. पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर वेन लार्किन्स ने 71 वर्ष की आयु में दुनिया को अलविदा कह दिया. खेल जगत में 'नेड' नाम से मशहूर लार्किन्स

पिछले काफी समय से एक गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे.

41 हजार से ज्यादा रन और 86 शतक

वेन लार्किन्स ने 482 फर्स्ट क्लास मैचों में 34.44 के औसत से 27142 रन बनाए थे, जिसमें 59 शतक और 116 अर्धशतक शामिल रहे. 485 लिस्ट ए मैचों में वेन लार्किन्स ने 30.75 के औसत से 13594 रन बनाए थे. इस दौरान उनके बल्ले से लिस्ट ए मुक़ाबलों में कुल 26 शतक और 66 अर्धशतक निकले थे. उन्होंने इंग्लैंड के लिए 13 टेस्ट और 25 वनडे इंटरनेशनल मैच



क्रिकेट मैच के दौरान दखद हादसा

चंडीगढ़. पंजाब के फिरोजपुर में रविवार सुबह क्रिकेट मैच के दौरान दिल दहला देने वाली घटना घटी है। हुआ यूं कि एक बल्लेबाज ने गेंदबाज की गेंद पर गगनचुंबी छक्का जड़ा। छक्का जड़ते ही बल्लेबाज थोड़ा आगे आया और वहीं बैठ गया। फिर चंद सेकंड में वह जमीन पर गिर गया। साथी खिलाड़ी कुछ समझ पाते कि उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। यह देख अन्य खिलाड़ियों में चीख-पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि साथी खिलाड़ी ने उसे सीपीआर

भी दी, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, घटना रविवार सुबह फिरोजपुर के गुरुहर सहाये में घटी है। जहां एक क्रिकेट पाईंट्स टेबल में सीएसके की टीम सबसे निचले पायदान पर रही. अब सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के अगले सीजन में खेलने को लेकर तमाम अटकलें लगाई जा रही हैं. इस बीच धोनी अपने घर रांची में समय बिता रहे हैं. इस दौरान कभी वो

रांची में धोनी का सिट्रोन कार ड्राइव करता वीडियो वायरल

रांची. इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन काफी खराब रहा. इस सीजन में टीम पहले ही दौर से बाहर हो गई थी, जबकि पाईंट्स टेबल में सीएसके की टीम सबसे निचले पायदान पर रही. अब सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के अगले सीजन में खेलने को लेकर तमाम अटकलें लगाई जा रही हैं. इस बीच धोनी अपने घर रांची में समय बिता रहे हैं. इस दौरान कभी वो

अपनी बाइक पर शहर में घूमते हुए नजर आ रहे हैं तो कभी कार से. धोनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वो सिट्रोन बेसाल्ट कार को चलाते हुए दिख रहे हैं, जिससे लोगों की आंखें फटी रह गईं.

बहुत से लोगों को याद नहीं होगा, लेकिन पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी सिट्रोन बेसाल्ट डार्क एडिशन की डिलीवरी लेने वाले पहले व्यक्ति हैं. अब वो इस कार

को चलाते हुए दिख रहे हैं. धोनी इस फ्रांसिसी ऑटोमोबाइल निर्माता के ब्रांड एंबेसडर भी हैं. सिट्रोन ने इस साल अप्रैल में अपना डार्क एडिशन लाइनअप लॉन्च किया था. इसमें सी3, एक्स्क्रॉस (पहले सी3 एयरक्रॉस के नाम से जाना जाता था) और बेसाल्ट शामिल थे. इसकी एक्स-शूल्म कीमत 12.30 लाख रुपये है. खास बात यह है कि सबसे पहला बेसाल्ट डार्क एडिशन सीधे एमएस धोनी को भेजा गया था.

इसके अलावा धोनी रांची की सड़कों पर एक और कार चलाते हुए दिख रहे हैं. जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. धोनी आईपीएल 2025 के बाद से अपना ज्यादातर समय रांची में ही बिता रहे हैं. इस दौरान उनके अगले सीजन में खेलने को लेकर संशय बनाया हुआ है.महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल 2026 में खेलेगे या नहीं इसको लेकर अपनी संशय बना हुआ है.

यूएस ओपन बैडमिंटन में तन्वी शर्मा और आयुष शेटी का जलवा

वाशिंगटन. बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने यूक्रेन की पोलीना बुहरोवा को मात दी। उनके अलावा 20 वर्षीय आयुष शेटी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-6 खिलाड़ी चोउ टिएन चैन को शिकस्त देकर अपने करियर के सबसे बड़े फाइनल में जगह बना ली है। दोनों ही खिलाड़ी बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन के अपने-अपने फाइनल में पहुंच गए हैं। महिला सिंगल इवेंट में तन्वी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-40 खिलाड़ी बुहरोवा को 21-14, 21-16 से हराकर

मुकाबले को 34 मिनट में अपने नाम कर लिया। वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-66 तन्वी शर्मा ने मई में डेनमार्क चैलेंज जीता था। वह पिछले साल ओडिशा मास्टर्स में सुपर 100 फाइनल में पहुंची थीं।

बाई ने अपने 'एक्स' पोस्ट में तन्वी की तारीफ करते हुए लिखा, “वह जाल बिछाती हैं, और उसमें सबसे बेहतरीन भी फंस जाते हैं। हमारी 'टीन टाइटन' समझदार, होशियार, साहसी हैं। वह सधे हुए शॉट्स और बेखौफ खेल से हर रैली



में दिल जीत रही हैं।” गुवाहाटी में बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया

(बीएआई) के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग लेने वाली तन्वी

चोटिल ब्रायन बैनेट 7 दिन रहेंगे मैदान से बाहर

नई दिल्ली. वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का नया साइकल शुरू हो चुका है और इसके साथ ही क्रिकेट से जुड़े कुछ बड़े नियमों में बदलाव भी शुरू हो गए हैं. इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने हाल ही में 'मैच प्लेइंग कंडीशंस' में कुछ बदलाव किए हैं और इसके एक खास बदलाव का असर दिख गया है. जिम्बाब्वे और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन साउथ अफ्रीका के बीच पहले टेस्ट मैच के बीच से ही एक खिलाड़ी बाहर हो गया. ये खिलाड़ी हैं जिम्बाब्वे के ब्रायन बैनेट, जो बैटिंग के दौरान चोटिल हो गए और अब 7 दिनों तक मैदान से बाहर रहेंगे. बुलावायो में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन मेजबान जिम्बाब्वे की पारी शुरू हुई. टीम के लिए ब्रायन बैनेट और टी काइडानो ने ओपनिंग की. पहले ओवर में ही काइडानो आउट हो गए, जिन्हें डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज कोडी यूसुफ ने आउट किया. फिर पांचवें ओवर में यूसुफ ने निक वेल्च की भी पेवेलियन लौटा दिया. सिर्फ 23 रन पर 2 विकेट



गंवाने के बाद जिम्बाब्वे परेशानी में लगा रही थी. उसकी ये टेशन कुछ ही देर में और बढ़ गई, जब बैनेट को अचानक मैदान से बाहर जाना पड़ गया.

असल में पारी के छठे ओवर में बाएं हाथ के पेसर क्वेना मफाका की आखिरी गेंद पर बैनेट ने हुक शॉट

खेलने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे. गेंद सीधे उनके हेल्मेट पर जोर से लगी और वो पिच पर ही बैठ गए. तुरंत ही फिजियो मैदान पर आए और काफी देर तक उनकी जांच की. हालांकि, बैनेट फिर आगे खेलने के लिए तैयार हो गए. अगले ओवर में उन्होंने 3 गेंदों का सामना भी किया.

मगर 8वें ओवर की पहली गेंद के बाद अचानक उन्होंने मैदान से बाहर जाने का फैसला किया और रिटायर्ड हर्ट होकर लौट गए. कुछ ही देर में जिम्बाब्वे क्रिकेट की ओर से बयान जारी कर बताया गया कि बैनेट को कनकशन हुआ है, जिसके चलते वो इस मैच से बाहर हो गए हैं. बोर्ड

कैच से बदला मैच का रुख, रोहित और द्रविड़ को मिली यादगार विदाई

नई दिल्ली. रोहित शर्मा इस समय भारत के वनडे कप्तान हैं। इससे पहले उन्होंने टी20 विश्व कप अपनी कमान में भारत को जिताया है। 'हिटमैन' ने एक साल पहले बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका पर सात रन की जीत के साथ भारत को बहुप्रतीक्षित आईसीसी ट्राफी दिलाई थी। रोहित ने माना है कि उस मैच में सूर्यकुमार यादव ने दबाव में लॉग-ऑफ पर डेविड मिलर का जो कैच पकड़ा था, उसने मैच का रुख तय कर दिया। यह उस खिताबी मैच का निर्णायक पल था। रोहित ने जियो हॉटस्टर से कहा, “सूर्यकुमार लॉग-ऑफ पर थे और इमानदारी से कहूं तो, वह कैच मैच का सबसे अहम पल था। कैच लेने के बाद भी, अंपायर यह तय कर रहे थे कि उन्होंने ब्राउंड्री रोप को छुआ है या नहीं। हर किसी की सांस थमी हुई थी। मैं लॉग-ऑन पर था और इसे होते हुए देख रहा था। लग रहा था जैसे छक्का लगने वाला है, लेकिन सूर्यकुमार ने गेंद को पकड़कर शानदार कैच लिया।” रोहित ने बताया कि



सूर्यकुमार को लग रहा था कि उन्होंने कैच पकड़ लिया है। इसके बाद कैमरे पर जूम करके भी ऐसा लगा कि सूर्या कैच पकड़ चुके हैं। इससे थोड़ी राहत मिली। फिर सबको बड़ी स्क्रीन पर तीसरे अंपायर के फैसले का इंतजार था। यह फैसला भारत के पक्ष में आया और टीम इंडिया का विश्व कप जीतने का लंबा इंतजार खत्म हुआ। यह न केवल

रोहित के टी20 करियर का शानदार समापन था बल्कि हेड कोच राहुल द्रविड़ के लिए भी एक यादगार विदाई थी। रोहित ने बताया कि कैसे उन्होंने द्रविड़ को 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में दिल टूटने के बाद एक अंतिम मिशन के लिए रकने के लिए राजी किया था।रोहित ने कहा, “राहुल 2023 विश्व कप के बाद पद छोड़ना चाहते थे।

बीजेपी राज व्यापारियों के लिए आपात काल

लखनऊ.

समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक बार फिर केंद्र और यूपी सरकार पर निशाना साधा है. उनका कहना है कि बीजेपी के राज में व्यापार, कारोबार, आर्थिक, सामाजिक आपातकाल की स्थिति में चला गया है.

उन्होंने कहा कि व्यापारियों के साथ सरकार में गलत नीतियों के साथ काम हो रहा है. इस सरकार में सिर्फ बिचौलिया और बीजेपी के लोग मुनाफा कमा रहे हैं. सारे व्यापारियों की हालत ठीक नहीं है.

सपा प्रमुख ने कहा कि बीजेपी सरकार में जितने इंजन है, वह सब



इंधन की जुगाड़ में लगे हैं. उन्होंने कहा कि सरकार की गलत नीतियों ने देश के व्यापार को उलझा दिया. आर्थिक सामाजिक आपातकाल है.

व्यापारियों के साथ सरकार में गलत नीतियों के साथ काम हो रहा है. व्यापारियों के लिए यह नए तरीके की इमरजेंसी है. आर्थिक और सामाजिक

आपातकाल लगा हुआ है. अखिलेश यादव ने आगे कहा कि बीजेपी में सिर्फ और सिर्फ सेटलमेंट पॉलिसी चल रही है.

जो कोई व्यापारी आवाज उठाएगा उसके खिलाफ इतने छापेमारी पड़ेगी कि वह बर्बाद हो जाएगा. उन्होंने कहा कि बीजेपी की सरकार में सिर्फ

'विशेष चंदा वसूली के जरिए नजराना वसूला जा रहा'

इसके आगे उन्होंने कहा कि देश में 35 हजार एमएसएमई यूनिट बंद हो गई. यह सरकार बिचौलियों का मुनाफा बढ़ाने के काम में लगी है. विशेष चंदा वसूली के जरिए नजराना वसूला जा रहा है. निवेश से ऑनलाइन वसूली हो रही है. टैक्स सिस्टम व्यापार में भय पैदा कर रहा है. अखिलेश ने कहा कि निवेश में एडवांस्ड कमीशन की डिमांड हो रही है. जिस तरह का टैक्स सिस्टम लगाया गया है उससे व्यापारियों को ठगा जा रहा है, जीएसटी के झूठे नोटिस व्यापारियों को भेजे जाते हैं.

सेटलमेंट पॉलिसी चल रही. बीजेपी से बड़ा माफिया कोई नहीं है.

उन्होंने कहा कि व्यापारी साथियों ने तय किया है कि समाजवादी पार्टी की मदद करेंगे. 2027 के चुनाव में व्यापारी साथी सपा के साथ खड़े नजर आएंगे. उन्होंने कहा कि असली पीडीए कौन है ये जनता तय करेंगी. पीडीए सपा ने बनाया है इसलिए ये लोग

> अखिलेश यादव ने की तेज आलोचना

बढ़े हुए मतदाताओं पर कांग्रेस का दिखावा फेल होगा

> रविंद्र चव्हाण का विपक्ष पर तीखा हमला

मुंबई.

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों से पहले एक बार फिर कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी ने बढ़ी हुई मतदाता संख्या को लेकर सवाल खड़े किए हैं. इस पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला है। रविंद्र चव्हाण ने कहा कि जैसे भाजपा के विजयी क्षेत्रों में मतदाता संख्या बढ़ी है, वैसे ही महाविकास अघाड़ी के कई क्षेत्रों में भी वोट संख्या में इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि फिर भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

जैसे 'इवीएम हटाओ' और 'संविधान बचाओ' जैसे नारे केवल दिखावा साबित हुए, वैसे ही बढ़े हुए



मतदाताओं पर विपक्ष का यह शोर भी पूरी तरह फेल होगा। महाराष्ट्र की जनता कांग्रेस की इन चालों में नहीं आने वाली है," रविंद्र चव्हाण

उन्होंने यह भी जोड़ा कि देश में पिछले एक दशक में आतंकवाद, वंशवाद और भ्रष्टाचार से मुक्ति मिली है और अब देश अभूतपूर्व विकास की राह पर है। मेट्रो, वंदे भारत ट्रेन,

सड़कें, रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से सुधार हो रहा है। रविंद्र चव्हाण ने विपक्ष पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस जीतती है तो इवीएम पर कोई सवाल नहीं उठते, लेकिन जब हार होती है तो बहाने तलाशे जाते हैं। उन्होंने पश्चिम नागपुर, वडगांव शरी, मालाड पश्चिम जैसे क्षेत्रों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहाँ भी मतदाता संख्या में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन कांग्रेस इन पर कुछ नहीं कहती, क्योंकि उनका उद्देश्य केवल लोगों को गुमराह करना है।

मरे हुए लोग ले रहे किसान सम्मान निधि योजना का लाभ

लखनऊ.

फतेहपुर में केंद्र सरकार द्वारा पीएम किसान सम्मान योजना के तहत 20 वीं किस्त जारी करने से पहले इस योजना से लाभ पा रहे किसानों के डाटा का क्रॉस चेक कराया गया है. इस क्रॉस चेक के जरिए 2121 किसान ऐसे पाए गए, जो मृत रहते हुए इस योजना का लाभ उठा रहे थे. साथ ही सरकारी नौकरी और पेंशनर के ऐसे 21 लोग शामिल थे जो योजना का लगातार लाभ ले रहे थे.

कृषि विभाग द्वारा गलत तरीके से योजना का लाभ ले रहे लोगों से 53 लाख 80 हजार न्यून की कलाई रिकवरी की है, बाकी लोगों से रिकवरी के लिए नोटिस जारी करते हुए 20 वीं किस्त पर रोक लगा दी गई है. इसके साथ ही 8 हजार 773 ऐसे किसान हैं



जो किसान सम्मान निधि योजना के 20 वीं किस्त से इस बार वंचित रहेंगे.

पीएम किसान सम्मान योजना के तहत लाभ पा रहे 3 लाख 79 हजार 986 किसान हैं. जिसका विभाग द्वारा इस योजना के 20वीं किस्त आने से पहले 3 लाख 71 हजार 213 किसानों ने E-kyc कराया है. अब भी 8 हजार 773 किसान अब भी शेष हैं. जिले 2 हजार 121 किसान ऐसे पाए गए जो मृत होने के बावजूद उनके परिजन इस

योजना का लाभ उठा रहे थे. साथ ही सरकारी नौकरी और पेंशनर के ऐसे 21 लोग शामिल थे. जो योजना का लगातार लाभ ले रहे थे. जिसके बाद कृषि विभाग द्वारा गलत तरीके से योजना का लाभ ले रहे मृतक किसान के परिजनों से 18 लाख 80 हजार रुपये, सरकारी नौकरी करने वाले लोगों से 22 हजार रुपये, पेंशन पाने वालों से 72 हजार रुपये, इनकम टैक्स भरने वाले लोगों से 34 लाख 6 हजार रुपये की रिकवरी कराई गई है. बाकी जो बाकी लोग थे जो इस योजना का गलत तरीके से लाभ उठा

रहे थे उन्हें रिकवरी के लिए नोटिस जारी किया गया है. कृषि विभाग ने लोगों से अब तक 53 लाख 80 हजार न्यून की रिकवरी करते हुए 20 वीं किस्त पर रोक लगा दी गई है.

वहीं रंजीत चौरसिया(नोडल अधिकारी, कृषि विभाग) ने बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त आने वाली है. इसमें 3 लाख 35 हजार लाभग्राहियों का बैंक लॉक किया गया है. इन किसानों को किसान सम्मान निधि मिलना है. अभी और भी बैंक आयोग उसे लॉक किया जाएगा, इसमें पति पत्नी के लगभग 6 हजार किसान हैं जो पति पत्नी हैं. जो आपात है जिनका पेंशन स्टॉप कर दिया गया है. बाकी और जो बचे हुए किसान हैं उनका मार्किंग चल रही है. उनको मार्क करके किस्त आने से पहले उनका पेंशन स्टॉप कर दिया जाएगा.

रूस का अब तक का सबसे बड़ा हमला

>477 ड्रोन और 60 मिसाइलों से दहला यूक्रेन मास्को.

रूस अब यूक्रेन युद्ध को ज्यादा दिन तक नहीं खींचना चाहता. इसलिए अब पुतिन ने आर पार की जंग की तैयारी कर ली है. पहले पोक्रोवस्क शहर के पास 1 लाख से ज्यादा सैनिकों को जुटाकर रूस ने ध्यान भटकाया और फिर यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला कर दिया. इस एयर स्ट्राइक में यूक्रेन में 477 ड्रोन और 60 मिसाइलें भेजी गईं. यह हमला इतना भीषण था कि

खस बात ये है कि यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने हाल ही में कहा था कि वह इस्तांबुल में सीधे शांति वार्ता के नए दौर के लिए तैयार हैं. इस हमले में यूक्रेन का एफ-16 विमान भी डेर हो गया. यूक्रेनी अधिकारी के मुताबिक यह धातुक हमला रूस की बढ़ती बमबारी अभियान का हिस्सा है.

रूस का यह हमला इतना भीषण था कि पोलैंड वायुसेना को

अपने विमान भेजने पड़े. यूक्रेन की वायु सेना के कम्युनिकेशन चीफ यूरी इहनात ने बताया कि रूस रात भर ड्रोन और मिसाइल हमले करता रहा. यह हमले यूक्रेन के पश्चिमी क्षेत्र समेत पूरे क्षेत्र में किए गए थे. हमले की भयावहता को देखते हुए पोलैंड की वायुसेना को यूक्रेन के हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने विमान भेजने पड़े.

यूक्रेन की समाचार एजेंसियों के मुताबिक रूस द्वारा यूक्रेन पर दागे गए कुल कुल 537 हथियारों में से 249 को मार गिराया गया तथा 226 असफल हो गए. माना जा रहा है कि ये इलेक्ट्रॉनिक रूप से जाम हो

गए. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने एक्स पर हमले की एक क्लिप पोस्ट की. इसमें दावा किया गया कि रूस हर उस चीज को निशाना बना रहा है जो जीवन के लिए जरूरी है. मास्को ने इसी एक सप्ताह में 114 से ज्यादा मिसाइल, 1270 से ज्यादा ड्रोन और 1100 से ज्यादा मीडिया पर लिखा है कि पुतिन ने शांति की अपील के बावजूद युद्ध जारी रखने का निर्णय लिया है. इस बीच इस्तांबुल में रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों के बीच हाल ही में दो दौर की बातचीत हुई, लेकिन यह किसी समझौते पर नहीं पहुंच सकी.

नई दिल्ली.

मानसून राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में पहुंच गया है. इस तरह से दक्षिण-पश्चिम मानसून ने आगे बढ़ते हुए पूरे देश को कवर कर लिया है. मानसून ने 9 दिन पहले ही पूरे देश को कवर कर लिया है. देश में मानसून आने की संभावित तारीख 8 जुलाई होती है. हालांकि दिल्ली में पिछले साल मानसून एक दिन



पहले 28 जून को आ गया था.

सैटेलाइट इमेज में भारत के ज्यादातर हिस्सों में बादल नजर आ रहे हैं. नॉर्थ वेस्ट इंडिया और उसके आपस के इलाके ओडिशा, झारखंड, हिमाचल और उत्तराखंड में ज्यादा बादल हैं.

कांवड़ियों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम > एक जगह से मिलेंगी सारी अनुमतियां

नई दिल्ली.

सावन का महीना 11 जुलाई से शुरू हो रहा है. दिल्ली सरकार ने इस बार कावड़ यात्रा को लेकर खास तैयारियां कर रही है. राजधानी में कांवड़ियों का भव्य स्वागत किया जाएगा. उसके साथ साथ कई तरह की सुविधाएं सुहैया कराई जाएंगी. मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर तीन बदलाव किए गए हैं. पहला परिवर्तन ये है कि कांवड़ यात्रा समितियों के खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर किया जाएगा. कोई बिचौलिया नहीं होगा. आयोजन के लिए जो भी सरकार की सहायता होती है वो सीधे समितियों के खाते में जाएगी.

मंत्री ने बताया कि सभी कांवड़ शिविरों के लिए 1200 यूनिट बिजली मुफ्त कर दी गई है. इसके साथ ही बिजली की सिन्क्रोमिटर घटाकर



25% कर दी गई है. उन्होंने बताया कि कांवड़ शिविर लगाने की अनुमति के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस बनाया गया है. कावड़ आयोजकों को सभी जरूरी अनुमतियां एक ही स्थान से सिंगल विंडो सिस्टम के तहत दी जाएंगी ताकि वो बिना किसी

1200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का निर्णय

कपिल मिश्रा ने बताया कि हर साल लाखों कावड़िए दिल्ली से गुजरते हैं और कावड़ सेवा शिविरों के माध्यम से उन्हें सेवा प्रदान की जाती है. कावड़ समितियों को अक्सर संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ता है. उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए दिल्ली सरकार ने इस बार सभी पंजीकृत शिविरों को 1200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का निर्णय लिया है. इसके साथ ही बिजली मीटर इंस्टॉलेशन के लिए केवल 25 प्रतिशत सिन्क्रोमिटर डिपॉजिट ही लिया जाएगा.

बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए पैसा देगी. सरकार ने अब इसके लिए टेंडर करने की प्रक्रिया को खत्म कर दिया है.

7 जुलाई- जन्मदिन नहीं, जनसेवा का उत्सव: सिराज शेख की प्रेरणादायक पहल

1 आशीर्वाद नगर – आयोजक सिध्दुजी कोमजवार, इस परिसर में शिविर की संपूर्ण योजना और समन्वय सिध्दुजी कोमजवार के मार्गदर्शन में हुई। महिला स्वास्थ्य और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सुविधा रखी गई थी।

सिध्दुजी कोमजवार का मनोगत : " आज जब समाज में स्वार्थ बढ़ रहा है, ऐसे में सिराज शेख जैसे निस्वार्थ सेवाभावी व्यक्ति प्रेरणा की मिसाल हैं। ये शिविर समाज को सशक्त करने का माध्यम हैं। "

2 सिरसेपट परिसर – आयोजक धीरज गजभिरे (अन्न।) सिरसेपट में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने नेत्र जांच, ब्लड शुगर, वीपी जैसी सेवाओं का लाभ उठाया।

धीरज गजभिरे (अन्न।) का मनोगत : जनसेवा केवल भाषणों से नहीं होती, उसे कार्य में परिवर्तित करना होता है. यही कार्य सिराज शेख वर्षों से कर रहे हैं। उनके साथ जुड़कर गंव होता है। "

3 छोटा ताजबाग परिसर-सेवा सप्ताह के प्रमुख आरोग्य शिविर और आयोजकों की भावनाएँ पूर्ण उपमहापौर सतीश होले, सेवा सप्ताह की शुरुआत छोटा ताजबाग परिसर से हुई जहां पूर्ण उपमहापौर सतीश होले के आयोजन में श्रद्धा आरोग्य शिविर संपन्न हुआ। सैकड़ों नागरिकों ने स्वास्थ्य लाभ लिया।

सतीश होले का मनोगत : " सिराज शेख जैसे व्यक्ति आज के समय की आवश्यकता हैं। वे न केवल स्वयं को आगे ले गए, बल्कि समाज को भी साथ लेकर चलते हैं। उनका जन्मदिन सेवा सप्ताह के रूप में मनाया हम सभी के लिए गर्व का विषय है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करता हूँ। "

जनसेवा के संकल्प का आरंभ

हर वर्ष 20 जून से 7 जुलाई तक नागपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आरोग्य सेवा शिविरों का आयोजन किया जाता है। ये शिविर न केवल स्वास्थ्य जांच के लिए होते हैं, बल्कि उनमें दृष्टि परीक्षण, चक्ष्मा वितरण, रक्तदांन, महिला स्वास्थ्य जागरूकता, हाइजीन किट वितरण, वृक्षारोपण जैसी बहुआयामी गतिविधियाँ भी सम्मिलित होती हैं। इस वर्ष भी सेवा सप्ताह की शानदार शुरुआत हो चुकी है। शहर के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित शिविरों में हजारों की संख्या में नागरिकों ने हिस्सा लिया और इस सामाजिक पर्व का लाभ उठाया।



सिराज शेख का जीवन एक संदेश है :

"मेहनत, सेवा और समाज के लिए समर्पण।" उनका जन्मदिन अब केवल एक तिथि नहीं, बल्कि नागपुर के लोगों के लिए सेवा और सद्भावना का महोत्सव बन चुका है। हर साल लाखों लोग इन शिविरों से लाभ लेते हैं, और शायद यही एक सच्चा 'उत्सव' है – जिसमें खुद से ज्यादा दूसरों की चिंता होती है।

"जन्मदिन केवल उत्सव नहीं, समाज को कुछ लौटाने का दिन होता है।"

इस दर्शन को सच्चाई में बदलने वाले नाम हैं, सिराज शेख, जो नागपुर शहर के एक जाने-माने समाजसेवी, व्यवसायी और प्रेरणास्रोत हैं। बीसीएन न्यूज चैनल और बीटीवी ग्रुप के संचालक सिराज शेख हर साल अपने जन्मदिवस को सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक जनकल्याण सप्ताह के रूप में मनाते हैं। उनका यह प्रयास न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि जनश्रमजींदारी और सेवा भावना का उत्तम उदाहरण भी है।

4 श्री संत गुलाब बाबा आश्रम: इस विशेष स्थान पर आयोजित शिविर ने आस्थात्मक और स्वास्थ्य को एक साथ जोड़ने का प्रयास किया। सादगी और सेवाभाव से भरे इस आयोजन ने लोगों को आत्मिक सुकून भी दिया।



30 जून – दिवोरी परिसर, पूर्व उपमहापौर किशोर कुमरेडिया के नेतृत्व में, 4 जुलाई-चंजारी नगर, शेख मोईन, शेख हुसैन के नेतृत्व में इन शिविरों की सूचना जनसामान्य तक पहुंच रही है और लोग बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं।

5 बीडीपेट परिसर – आयोजक सुप्रिया व उमेशजी तिजारे, यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ हाइजीन किट का वितरण किया गया।



उमेशजी तिजारे का मनोगत : " हमारे समाज को ऐसे प्रयासों की आवश्यकता है। यह सिर्फ आरोग्य शिविर नहीं, बल्कि एक चेतना का अभियान है, जिसे सिराज शेख जैसे लोग जीवित रखते हैं। "

6 रमना मोरोती परिसर – आयोजक पूर्ण उपमहापौर किशोर कुमरेडिया, पूर्ण उपमहापौर किशोर कुमरेडिया के कार्यालय में आयोजित इस शिविर में विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए चक्ष्मा वितरण और मोतिवाखंड ऑपरेशन की प्रक्रिया की गई।



किशोर कुमरेडिया का मनोगत : " जनप्रतिनिधि होने के बावद भी मैं मानता हूँ कि सिराज शेख जैसा सेवा भाव रखना हर नागरिक का कर्तव्य होना चाहिए। उनकी कार्यशीलता ही सिखाती है कि जनसेवा किसी पद की मोहताज नहीं। "

7 सुयोग नगर – आयोजक नगरसेवक संदीप गवई, नगरसेवक संदीप गवई ने अपने कार्यालय परिसर में शिविर का आयोजन किया। स्वास्थ्य जांच के साथ महिला जागरूकता सत्र और योग प्रशिक्षकों के सत्र विशेष आकर्षण थे।

संदीप गवई का मनोगत : " जनप्रतिनिधि होने के नाते मैं जानता हूँ कि जनसेवा किती कठिन होती है, परंतु सिराज शेख ने इसे अपनी दिनचर्या बना लिया है। समाज को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। "



8 भगवान नगर – आयोजक नगरसेवक मनोज गावडे और मनिस चांदेकर, यह शिविर एक सजीव प्रेरणा केंद्र बना, जिसमें युवाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।

मनोज गावडे और मनिस चांदेकर का संयुक्त मनोगत : " हमने सिराज शेख के अभियान को समर्थन नहीं, अपनाया है। आने वाले वर्षों में इसे और विस्तृत रूप देने का संकल्प लेते हैं। "



लाखों को जीवनदायी दृष्टि – मोतिवाखंड ऑपरेशन और चक्ष्मा वितरण : हर साल इन शिविरों के माध्यम से हजारों गरीब व जरूरतमंदों को मुफ्त नेत्रपरीक्षण, चक्ष्मा वितरण और मोतिवाखंड ऑपरेशन की सुविधा दी जाती है। ये सभी सेवाएं निजी अस्पतालों, डॉक्टरों और पैथोलॉजी केंद्रों के सहयोग से बिना किसी शुल्क के प्रदान की जाती हैं।

सम्मान, प्रेरणा और गौरव : 7 जुलाई को अंतिम शिविर के साथ आयोजित समारोह में "Vidarbha Seva Gaurav" सम्मान इन डॉक्टरों, आयोजकों और स्वयंसेवकों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने नि:स्वार्थ भावना से सेवा की होती है। यह आयोजन पूरी तरह जनसेवी और गैर-राजनीतिक होता है, जो इसे और अधिक विश्वसनीय बनाता है।

